Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 49
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 25 फरवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 राज्य के निजी एवं धर्मार्थ अस्पतालों में ...
4 पर्यावरण सुधारने से बचेगी चारोंधाम की...
7 सुपर 8 का महासंग्राम : टीम इंडिया के लिए...

संक्षिप्त न्यूज

जेपी नड्डा ने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण से मिला लाभ, आम लोगों तक पहुंची क्रिटिकल सेवाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ कराने और सब तक पहुंचाने के लिए उसका डिजिटलीकरण किया गया है। इससे अधिकतम स्वास्थ्य सेवाओं को अधिकतम लोगों तक पहुंचाने में सफलता मिल रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के आने से क्रिटिकल सेवाओं को सुलभ बनाने में सहायता मिलेगी।

मंगलवार को एक कार्यक्रम में लोगों

को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा कि अब तक 86 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा गया है। इसी तरह ई संजीवनी जैसी सेवाएं लोगों को मदद पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि यू विन जैसी सेवाओं ने किसी बच्चे को किसी स्वास्थ्य सेवा टीका से छूटने पर अलर्ट करता है। इस सेवा के अंदर करीब 12 करोड़ लोगों को जोड़ा गया है।

नड्डा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से कई बीमारियों को ठीक करने और उसकी शुरुआत से पहले बीमारी को पहचानने में मदद मिली है।एआई आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस स्वयं यह बताने में सहायता करता है कि किसी मरीज में बीमारी की स्थिति क्या है, उसे इलाज की आवश्यकता है, या नहीं। इससे किसी व्यक्ति को अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़ता। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग लगातार बढ़ेगा और इससे आम लोगों को लाभ होगा।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

केरल अब कहलाएगा 'केरलम', संसद में पेश होगा बिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति के बाद, भारत के राष्ट्रपति केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को केरल राज्य विधानसभा को संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधान के तहत विचार-विमर्श हेतु भेजेंगे। केरल राज्य विधानसभा के विचार प्राप्त होने के बाद, भारत सरकार आगे की कार्रवाई करेगी और संसद में केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने हेतु केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति की अनुशंसा प्राप्त की जाएगी।

राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले नाम में यह बदलाव किया गया है, जिसकी तारीखों की घोषणा अभी तक भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा नहीं की गई है। इसी वर्ष जनवरी में, केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन को पत्र लिखकर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार द्वारा राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' रखने के कदम का समर्थन किया था। बाद में चंद्रशेखर ने अपने पत्र का उत्तर देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और सोशल मीडिया पर उत्तर साझा करते हुए कहा कि 'केरलम' नाम राज्य के इतिहास, भाषा और जड़ों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसे पुनर्स्थापित करना हमारी विरासत को सम्मान देने की दिशा में एक कदम है। भाजपा और एनडीए हमेशा से केरल की परंपराओं, संस्कृति और आस्था की रक्षा के लिए खड़े रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य की कुछ राजनीतिक पार्टियों का इन मूल्यों और मान्यताओं का उल्लंघन करने का लंबा इतिहास रहा है। चंद्रशेखर ने कहा कि हमारे लिए, 'विकसित केरल, सुरक्षित केरल और आस्था की रक्षा' सिर्फ नारे नहीं हैं। ये हमारा मिशन है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि केरल और उसके लोगों के हित में जो भी अच्छा होगा, उसका वे हमेशा समर्थन करेंगे।

अपने उत्तर पत्र में मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि राज्य का मूल नाम 'केरलम' था, जिसे ब्रिटिश शासन के दौरान प्रशासनिक सुविधा के लिए 'केरल' में बदल दिया गया था। पत्र में विजयन ने कहा कि उनके द्वारा किए गए परिवर्तनों को सुधारा जा रहा है और मूल नाम को बहाल किया जा रहा है। यह राज्य की संस्कृति के अनुरूप है।

राष्ट्रपति मुर्मू का निजी अस्पतालों को संदेश

'स्वास्थ्य सेवाएं देते समय अपनी जिम्मेदारी निभाएं'

मुंबई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि सभी के लिए सस्ती और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हम सबका लक्ष्य होना चाहिए। मुर्मू मुंबई के लोक भवन में पीडी हिंदुजा अस्पताल की ओर से आयोजित 'सेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग अ हेल्दीयर भारत' अभियान की शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रही थीं।

'सेवा देते समय सामाजिक जिम्मेदारी का भी ध्यान रखें'

उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में प्रतिष्ठा हासिल करेगा। राष्ट्रपति ने निजी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों से कहा कि वे स्वास्थ्य सेवाएं देते समय अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भी ध्यान रखें।

चिकित्सा क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही तकनीक और एआई

उन्होंने कहा, स्वस्थ भारत के निर्माण में सरकार के साथ-साथ अन्य सभी हितधारकों की भी भूमिका अहम है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा जन-जन तक पहुंचे इसके लिए सब को मिलकर प्रयास करना है। राष्ट्रपति ने कहा कि तकनीक और एआई अन्य क्षेत्रों की तरह चिकित्सा के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा के हर क्षेत्र में इनका प्रयोग किया जा रहा है। आने वाले समय में इनकी भूमिका और भी बढ़ने वाली है। स्वस्थ भारत के निर्माण में सरकार के साथ-साथ अन्य सभी हितधारकों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा जन-जन तक पहुंचे इसके लिए सब को मिलकर प्रयास करना है।

'किफायती चिकित्सा प्रदान करना बेहद जरूरी'

उन्होंने आगे कहा, दवा और उपकरण का देश में ही निर्माण देशवासियों को किफायती चिकित्सा प्रदान करने के लिए बेहद जरूरी है। मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी पहल इस दिशा में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

झारखंड दुर्घटना में उजड़ा परिवार, पिता का दर्द - यहां सुविधा होती तो दिल्ली क्यों जाते?

रांची **(एजेंसी)**। झारखंड के चतरा जिले में सोमवार को एक दुखद एयर एम्बुलेंस क्रैश में दो क्रू मेंबर समेत सभी सात लोगों की मौत हो गई। रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड का बीचक्राफ्ट सी90 एयरक्राफ्ट रांची से दिल्ली के लिए मेडिकल इवैक्युएशन फ्लाइट ऑपरेट कर रहा था, जब यह शाम करीब 7:30 बजे सिमरिया ब्लॉक के कसरिया पंचायत में क्रैश हो गया। एएनआई से बात करते हुए, एक मृतक के पिता डॉ. विकास कुमार गुप्ता ने कहा कि मेरा बड़ा बेटा सदर हॉस्पिटल, रांची में पोस्टेड था। अगर यहां सही हेल्थ फैसिलिटी होती, तो वे इलाज के लिए दिल्ली क्यों जाते?

इस बीच, मौतों की पुष्टि करते हुए, एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि हमें करीब 10 बजे जानकारी मिली कि एक एक्सीडेंट हुआ है। इलाके को देखते हुए यहां पहुंचना मुश्किल था।' इसके अलावा, अग्रवाल ने कहा, 'दिल्ली की टीम जांच के लिए यहां आएगी और ब्लैक बॉक्स निकालने की कोशिश करेगी। कुल सात लोगों की मौत हुई है।' डिप्टी कमिश्नर कीर्तिश्री जी ने कहा कि खराब मौसम की वजह से यह क्रैश हुआ होगा। उन्होंने कहा, 'यह आंधी-तूफान की वजह से क्रैश हुआ। दुर्भाग्य से, डॉक्टरों की टीम ने उन्हें मरा हुआ पाया। कुल सात लोग मारे गए हैं। दो क्रू मेंबर थे, और बाकी पांच एक मरीज़ और मरीज़ के परिवार के सदस्य थे।

जेएनयू वीसी की 'जातिवादी' टिप्पणी पर बवाल स्टूडेंट्स ने मांगा इस्तीफा, कैंपस में भारी विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के कई स्टूडेंट्स ने मंगलवार को वाइस चांसलर शांति श्री धुलिपुडी पंडित के खिलाफ प्रोटेस्ट किया। पंडित ने यूजीसी रेगुलेशंस को इर्रेशनल और अनावश्यक बताते हुए कहा था कि उनके बयानों में जातिवादी बातें थीं। यह प्रोटेस्ट एबीवीपी मेंबर्स द्वारा देर रात स्टूडेंट प्रदर्शनकारियों पर किए गए हमलों की खबरों के बाद हुआ। एक बयान में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) ने कहा कि जैसे मनुवाद की ताकतें सोशल जस्टिस के खिलाफ एक साथ हमला कर रही हैं, अंबेडकर की विरासत को जीतना होगा!

वीसी के कमेंट्स का ज़िक्र करते हुए, आइसा ने कहा, जेएनयू वीसी, जिन्होंने पहले आरएसएस से अपनी गतिविधि पर बहुत गर्व जताया था, ने

अपनी पार्टी लाइन को कन्फर्म किया और यू सिक्कों के नियमों को खारिज करते हुए कहा कि दलितों को 'परम विक्टिमहुड' का नशा दिया गया था। यूनिवर्सिटी में जाति के आधार पर भेदभाव को दूर करने वाले यूजीसी नियमों को लागू करने की मांग कर रहे स्टूडेंट्स ने 22 फरवरी को 'समता मार्च' निकाला था। आइसा ने कहा कि हजारों जेएनयू स्टूडेंट्स ने मार्च के जरिए वीसी के खुलेआम जातिवाद को नकारा और उनसे तुरंत त्याग की मांग की। छात्रसंघ ने आगे एबीवीपी मेंबर्स पर हिंसा का आरोप लगाया। जेएनयू का इरादा तोड़ने में नाकाम रहने पर, संघ ब्रिगेड ने हिंसा का अपना पुराना तरीका अपनाया! जब सैकड़ों जेएनयू स्टूडेंट्स एसएल-एसआईएस लॉन में इकट्ठा हुए, तो एबीवीपी ने देर रात उनके खिलाफ बेरहमी से हिंसा की। एबीवीपी के बार-बार गलती करने वाले और जाने-माने गुंडों ने उस जगह पर ईंट-पत्थर फेंके, जहाँ जेएनयूएसयू के ऑफिस बेयरर्स और पिछले जेएनयूएसयू प्रेसिडेंट सैकड़ों जेएनयू स्टूडेंट्स के साथ अपने गलत रस्टिकेशन का विरोध कर रहे थे। आइसा ने स्टूडेंट्स और निकाले गए ऑफिस बेयरर्स के साथ एकजुटता दिखाते हुए कहा, 'आइसा जेएनयू के स्टूडेंट्स के साथ-साथ निकाले गए जेएनयूएसयू ऑफिस बेयरर्स और पूर्व जेएनयूएसयू प्रेसिडेंट के साथ उनके समर्थकों में ब्राह्मणवादी ताकतों के खिलाफ उनकी लड़ाई में एकजुटता दिखाती है, साथ ही जेएनयू स्टूडेंट्स को डेमोक्रेटिक रिप्रेजेंटेशन के उनके अधिकार से दूर करने की कोशिश में उनके गलत रेसिस्टेशन के खिलाफ भी।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा, कहा- बब्बर शेरों की गिरफ्तारी कायरता का प्रमाण है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' में विरोध प्रदर्शन के मामले में पार्टी की युवा इकाई के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को मंगलवार को तानाशाही प्रवृत्ति तथा कायरता का प्रमाण बताते हुए कहा कि वह ऐसे कदमों से डरने वाली नहीं है तथा देश को गिरवी रखने वाले लोगों के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चिब की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, देशभक्ति है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद 'डरपोक' हैं और अपनी नीतियों का बचाव नहीं कर पाने की वजह से वह युवा कांग्रेस के लोगों को डराने की कोशिश कर रहे हैं। युवा कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं ने भारत-अमेरिका व्यापार अंतरिम समझौते का विरोध करते हुए पिछले दिनों 'एआई इंपैक्ट समिट' के आयोजन स्थल पर शर्ट उतारकर प्रदर्शन किया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को चिब को गिरफ्तार कर लिया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार

है। मुझे युवा कांग्रेस के अपने बब्बर शेर साथियों पर गर्व है, जिन्होंने 'कम्प्रोमाइज्ड पीएम' (समझौता कर चुके प्रधानमंत्री) के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज़ उठाई है।' उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते में देश के हितों से समझौता किया गया है और यह समझौता किसानों और कपड़ा उद्योग को नुकसान पहुंचाएगा तथा भारत के डेटा को अमेरिका के हाथों में सौंप देगा। उन्होंने कहा, 'इस सच्चाई को देश के सामने रखने के लिए युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब और युवा कांग्रेस के अन्य साथियों की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है।'

कांग्रेस नेता ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी और मैं अपने बब्बर शेर साथियों के साथ मज़बूती से खड़े हैं। सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, देशभक्ति है, डरो मत - सच और संविधान हमारे साथ हैं।'

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल इतना खराब हो चुका है, उसके कारण मोदी जी के प्रति लोगों में भारी रोष है।' उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने घुटने टेक दिए तथा उनकी सारी शर्तों को मान लिया, जिससे पूरा देश शर्मिंदा हो गया।

खरगे ने कहा कि जो काम हमारे किसानों की भलाई और मदद के लिए किया जाना चाहिए था, उसकी बजाय किसानों का नुकसान करने की बातचीत की गई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'इससे यह भी साफ़ हो गया कि लोग समझते थे कि मोदी जी देश के हित में ट्रंप से बात कर रहे हैं, लेकिन हकीकत में ट्रंप हमें गुलाम बना रहा है और हमें बंधुआ मजदूर बनाने की दिशा में धकेला जा रहा है। यह काम मोदी जी कर रहे हैं।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है और न ही डरपोक है। खरगे ने दावा किया, 'मोदी साहब खुद डरपोक हैं। डर के कारण वह संसद में आकर अपनी नीतियों का बचाव भी नहीं कर पाते। इसलिए वह हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे युवाओं को, हमारे युवा नेताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। यह नहीं चलेगा। मैं इसकी निंदा करता हूं।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'हमारे देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे।

राष्ट्रपति भवन में पहले भारतीय गवर्नर-जनरल को सम्मान, थरूर ने सरकार के कदम को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अन्य इंडिया ब्लॉक सांसदों से अलग राय रखते हुए, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण करने के सरकार के कदम की सराहना की। एक्स पर एक पोस्ट में, तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा कि वे अपने छात्र जीवन के दौरान राजगोपालाचारी की स्वतंत्र पार्टी के प्रबल समर्थक थे। थरूर ने एक्स पर लिका कि राजा जी को राष्ट्रपति भवन में प्रतिमा से सम्मानित होते देखकर मुझे सचमुच बहुत खुशी हुई है। गणतंत्र बनने से पहले, वे भारत के एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल के रूप में इस भवन के पहले भारतीय अधिपति थे, और उन्होंने अपना पद नए राष्ट्रपति को सौंप दिया था।

सोमवार को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति भवन में ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की प्रतिमा को हटाकर उसकी जगह स्वतंत्र भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल राजगोपालाचारी की प्रतिमा स्थापित की। समारोह में वंदे मातरम के सभी छह श्लोकों का संगीतमय गायन प्रस्तुत किया गया। उपस्थित लोगों में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, विदेश मंत्री एस जयशंकर, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन और राजगोपालाचारी के परिवार के सदस्य शामिल थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शेखावत द्वारा पढ़े गए एक संदेश में इस प्रतिस्थापन को मानसिक विऔपनिवेशीकरण का कार्य बताया। एक्स पर एक अलग पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह कदम राष्ट्र के भाग्य को आकार देने वालों का सम्मान करने और औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को मिटाने के भारत के संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने राजगोपालाचारी को एक महान विद्वान, स्वतंत्रता सेनानी, विचारक और प्रशासक बताया, जिनका जीवन सत्यनिष्ठा, बुद्धिमत्ता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक था।

नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले ऑर्केस्ट्रा बार के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे : फडणवीस

मुम्बई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि नियमों का बार-बार उल्लंघन करने पर ऑर्केस्ट्रा बार के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे और इस संबंध में जल्द ही कानून में संशोधन किया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने डांस बार पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून बनाया था लेकिन उच्चतम न्यायालय ने उक्त कानून को संविधान के विरुद्ध करार देते हुए रद्द कर दिया था। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे पर चल रही चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि संबंधित कानून में बदलाव किया गया था जिसके तहत बार को ऑर्केस्ट्रा लाइसेंस देने का प्रावधान किया गया था।

फडणवीस ने कहा, ''अदालत ने महिलाओं को बार में काम करने की अनुमति दी और हमने नियमों में संशोधन करके उन्हें और सख्त बना दिया। लेकिन फिर भी पनवेल (नवी मुंबई) जैसे इलाकों में उल्लंघन की शिकायतें आ रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के अनुसार हम तीन से चार बार उल्लंघन के मामलों की सुनवाई करेंगे और उन पर कार्रवाई करेंगे; बार-बार उल्लंघन करने पर ऑर्केस्ट्रा बार के लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिए जाएंगे।

इस संबंध में जल्द ही एक संशोधन पेश किया जाएगा। यह संशोधन इसी सत्र में पेश किया जाएगा या अगले विधायी सत्र में।'' फडणवीस ने कहा कि सरकार डांस बार को पूरी तरह से बंद करना चाहती थी लेकिन ऐसा नहीं किया जा सका, क्योंकि डांस बार के मालिक ऑर्केस्ट्रा लाइसेंस की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''हमने सख्त नियमों के साथ ऑर्केस्ट्रा के लिये अनुमति दी थी लेकिन शिकायतें आ रही हैं।''

44 वर्षों से भूमिगत रहे टॉप माओवादी देवजी सहित चार नक्सलियों का सरेंडर, मिली 90 लाख रुपये की मदद

हैदराबाद। माओवादियों के सर्वोच्च नेता तिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी ने मंगलवार को तेलंगाना पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया है। उनके साथ तीन अन्य शीर्ष नक्सली भी आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। टॉप माओवादी 'देवजी' 44 वर्षों से भूमिगत रहे हैं। मल्ला राजी रेड्डी संग्राम, सीसीएम, 46 वर्षों से भूमिगत, बड़े चोक्का राव उर्फ दामोदर उर्फ जगन 28 साल से भूमिगत और नरसिम्हा रेड्डी उर्फ गंगन्ना उर्फ सन्नू दादा, 36 साल से भूमिगत थे। इन सभी नक्सलियों को तेलंगाना सरकार ने राज्य एवं केंद्र की राहत एवं पुनर्वास नीति के अंतर्गत 90 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी है।

बता दें कि गत वर्ष मई में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में हुई एक मुठभेड़ में 27 माओवादियों के साथ नंबाल्ला केशव राव उर्फ़ बसवराजू मारे गए थे। उसके बाद तिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी ही सर्वोच्च नेता की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। टिपिरी थिरुपति उर्फ देवजी, केंद्रीय समिति सदस्य, पोलित ब्यूरो सदस्य

और केंद्रीय सैन्य आयोग के प्रभारी सीपीआई (एम) रहे हैं।

फिलहाल वे केंद्रीय समिति में बतौर महासचिव पद पर थे। तिप्पिरी तिरुपति का जन्म वर्तमान जगतियाल ज़िले के एक दलित परिवार में हुआ था। वह 1980 के दशक में करीमनगर के एसआरआर कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई के दौरान छात्र राजनीति में आ गए। छात्र संगठनों के बीच हुए संघर्ष वे अंडरग्राउड हो गए थे। तिरुपति (देवजी) करीमनगर क्षेत्र में सक्रिय थे। देवजी वहीं से एक रेडिकल विद्यार्थी संगठन का हिस्सा बन गए।

किसान के बेटे थे देवजी

तिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी के पिता वेंकट नरसैया किसान थे। उनकी एक बड़ी बहन लीला और दो छोटे भाई (गंगाधर और वेंकट) हैं। देवजी ने जनवरी 1991 में महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले के लाहेरी पुलिस स्टेशन के गोपनार गांव की निवासी अरिके जैनी उर्फ सृजना से विवाह किया था। उस वक्त वे पेरीमेली दलम में पार्टी सदस्य थीं। उन्हें क्षेत्रीय समिति सदस्य (आरसीएम) के पद पर पदोन्नत किया गया। 2020 में महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले के कासनसुर वन क्षेत्र में हुई एक दुर्घटना

संजय राउत का मोदी सरकार पर तंज, 'गुलामी' से नफरत तो ट्रंप के गुलाम क्यों?

दिव्यांश

मुंबई। राष्ट्रपति भवन में सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण होने के बाद, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए गुलामी पर उसके रुख पर सवाल उठाए। राउत ने भारत की विदेश नीति पर निशाना साधते हुए पूछा कि अगर सरकार गुलामी का विरोध करती है, तो वह अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संबंध क्यों रखती है? उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को चुनौती दी, फ्रांस से राफेल जेट की खरीद की आलोचना की और नई दिल्ली के निर्माण में लुटियंस समेत कई हस्तियों के योगदान को उजागर किया।

संजय राउत ने कहा कि अगर आप गुलामी की बात करते हैं, तो आप ट्रंप के गुलाम क्यों बन गए? अगर आपको गुलामी से इतनी नफरत है, तो आपको भारत-अमेरिका व्यापार समझौता रद्द कर देना चाहिए... आपने फ्रांस से राफेल क्यों खरीदा?... लुटियंस समेत कई लोगों ने नई दिल्ली के निर्माण में योगदान दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

द्वारा सोमवार को राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्र भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मैट रिडले ने ये टिप्पणी की है।

सोमवार को एडविन लुटियंस के परपोते मैट रिडले ने राष्ट्रपति भवन से लुटियंस की प्रतिमा हटाए जाने पर दुख व्यक्त किया, जिसके स्थान पर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा स्थापित की गई है। राष्ट्रपति भवन के वास्तुकार एडविन लुटियंस के परपोते रिडले ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह जानकर दुख हुआ कि लुटियंस (मेरे परदादा) की प्रतिमा को दिल्ली स्थित उस राष्ट्रपति भवन से हटाया जा रहा है जिसे उन्होंने ही डिजाइन किया था। पिछले साल मैं इसके साथ यहाँ हूँ। उस समय मुझे आश्चर्य हुआ था कि उनके नाम को आधारशिला से क्यों हटा दिया गया था।

अशोक मंडप के पास ग्रैंड ओपन सीढ़ी पर स्थित चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा ने एडविन लुटियंस की प्रतिमा का स्थान ले लिया है। एक्स पर राष्ट्रपति के आधिकारिक हैंडल ने पोस्ट किया कि यह पहल औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को मिटाने और भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत, शाश्वत परंपराओं को गर्व से अपनाने और भारत माता की सेवा में असाधारण योगदान देने वालों को सम्मानित करने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की श्रृंखला का हिस्सा है।

एक लाख की रिश्वत लेते कुरार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक और पीएसआई गिरफ्तार

एसीबी का जाल सफल, कार्यालय से 6.34 लाख नकद बरामद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) की मुंबई इकाई ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कुरार पुलिस स्टेशन में तैनात एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक और एक पुलिस उप-निरीक्षक को ?1 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने दो मामलों में कार्रवाई न करने के बदले कुल ?3 लाख की मांग की थी।

गिरफ्तार अधिकारियों की पहचान वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजीव बलिराम तावड़े और पुलिस उप-निरीक्षक ज्ञानेश्वर गोविंदराव जुन्ने के रूप में हुई है। दोनों को गुरुवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 23 फरवरी तक एसीबी की हिरासत में भेज दिया गया।

एसीबी के अनुसार, शिकायतकर्ता पेशे से वकील है, जिसके खिलाफ कुरार पुलिस स्टेशन में आर्थिक धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दर्ज थी। साथ ही 22 जनवरी को एक रिश्तेदार द्वारा यौन उत्पीड़न का मौखिक आरोप भी लगाया गया था। इन दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज न करने और कोई कठोर कार्रवाई न करने के बदले अधिकारियों ने कथित तौर पर 3 लाख की मांग की।

बताया जाता है कि शिकायतकर्ता ने पहले 2 लाख दे दिए थे। बाद में आरोपियों ने शेष 1 लाख की मांग की। शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद जाल बिछाया गया और पीएसआई जुन्ने को 1 लाख लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। इसके बाद वरिष्ठ निरीक्षक तावड़े को भी गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई के दौरान तावड़े के कार्यालय की तलाशी में ?6.34 लाख नकद बरामद हुए। दोनों अधिकारियों के मोबाइल फोन भी जांच के लिए जब्त किए गए हैं। एसीबी ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

डीजीएमसी और पीआरएसआई मुंबई के बीच एमओयू

मुंबई। देवीप्रसाद गोएंका मॅनेजमेंट कॉलेज ऑफ मीडिया स्टडीज और पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआय) मुंबई चॅप्टर के बीच उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के माध्यम से विद्यार्थियों को जनसंपर्क क्षेत्र के पेशेवरों से सीधे संवाद, मार्गदर्शन तथा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे।

मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में पीआरएसआई मुंबई की अध्यक्षा अनीता श्रीवास्तव और महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अमी वोरा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मीडिया कोर्स समन्वयक निलांक्षा सचदेवा, पीआरएसआई मुंबई के सचिव डॉ. मिलिंद आवताडे, संयुक्त सचिव प्रो. दैवता पाटिल उपस्थित थे।

इस सहयोग के तहत विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप, विशेषज्ञों के मार्गदर्शन सत्र, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां और पीआरएसआई के बैनर तले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 'नालंदा' छात्र मंच के माध्यम से उद्योग और शिक्षण संस्थान के बीच समन्वय को और मजबूत करने का उद्देश्य रखा गया है।

अनीता श्रीवास्तव ने कहा कि इस पहल से विद्यार्थियों को वास्तविक उद्योग अनुभव, पेशेवर नेटवर्क और बदलते रोजगार बाजार के अनुरूप आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। वहीं डॉ. अमी वोरा ने कहा कि यह समझौता शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा मिलेगी।

देवीप्रसाद गोयंका मैनेजमेंट कॉलेज ऑफ मीडिया स्टडीज, राजस्थानि सम्मेलन एजुकेशन ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित एक प्रतिष्ठित संस्थान है, जहां मल्टीमीडिया एंड मास कम्युनिकेशन, फिल्म, टेलीविजन एंड न्यू मीडिया प्रोडक्शन, मैनेजमेंट स्टडीज, एनीमेशन एंड वीएफएक्स तथा डेटा साइंस जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

पीआरएसआई देश की अग्रणी जनसंपर्क पेशेवर संस्था है, जो नैतिक मूल्यों, पेशेवर दक्षता और सतत अधिगम को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है।

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन

दिव्यांश

मुंबई। 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा महानगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा तथा महिलाओं, बालिकाओं, महिला बचत समूहों, महिला मंडलों एवं महिला संस्थाओं द्वारा निर्मित साहित्य एवं वस्तुओं की बिक्री हेतु निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र की महिलाओं के लिए 04/03/2026 से 06/03/2026 तक कुल 6 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इनमें समूह गायन प्रतियोगिता, महिला भजनी मंडल भजन प्रतियोगिता, लघु चलचित्र प्रतियोगिता (विषय - महिला सुरक्षा, पर्यावरण, शिक्षा के प्रति जागरूकता), समूह नृत्य प्रतियोगिता (विषय - कोळी नृत्य), समूह नाट्य प्रतियोगिता तथा मंगलागौर प्रतियोगिता शामिल हैं।

इन प्रतियोगिताओं की प्रारंभिक तथा अंतिम चरण की स्पर्धाएँ महात्मा फुले स्मृति भवन, भूखंड क्रमांक 12/13, तृतीय मंजिल, सेक्टर-3, वाशी, नवी मुंबई में आयोजित की जाएँगी।

तथा 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन इन प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण एवं महिला सम्मान

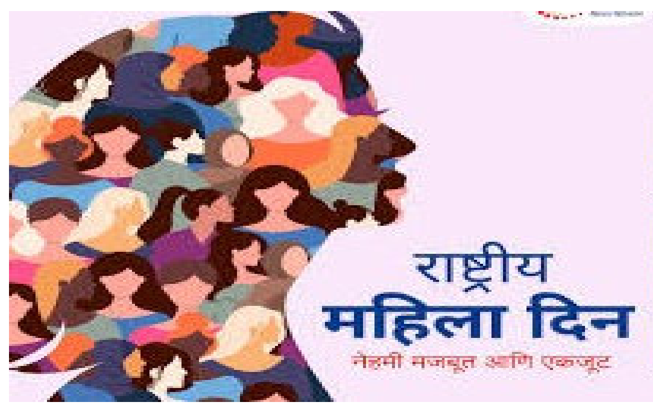

समारोह विष्णुदास भावे नाट्यगृह, वाशी में आयोजित किया जाएगा।

इन प्रतियोगिताओं में सहभागिता हेतु आवेदन, पुरस्कार हेतु नामांकन तथा बिक्री स्टॉल के लिए आवश्यक प्रपत्र सभी विभागीय कार्यालयों में तथा समाज विकास विभाग, नवी मुंबई महानगरपालिका, बेलापुर भवन, प्रथम मंजिल, सेक्टर 11, सीबीडी, बेलापुर में उपलब्ध हैं।

प्रतियोगिताओं में सहभागिता हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 02 मार्च 2026 है तथा पुरस्कार एवं बिक्री स्टॉल हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 04 मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

विशेष आकर्षण के रूप में 8 मार्च 2026 को कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित महिलाओं के लिए 'पैठणी लकी ड्रॉ' प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

पुरस्कार नामांकन, बिक्री स्टॉल, आवेदन प्रक्रिया, नियम एवं शर्तों संबंधी विस्तृत जानकारी महानगरपालिका के सभी विभागीय कार्यालयों तथा समाज विकास विभाग, नवी मुंबई महानगरपालिका, बेलापुर भवन, प्रथम मंजिल, सेक्टर 11, सीबीडी, बेलापुर में शासकीय अवकाश छोड़कर कार्यालयीन समय में उपलब्ध रहेगी तथा आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे।

उक्त बिक्री स्टॉल केवल नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में निवास करने वाली महिलाएँ, बालिकाएँ, महिला बचत समूह, महिला मंडल तथा महिला संस्थाएँ ही प्राप्त करने हेतु आवेदन कर सकती हैं। यह भी सूचित किया जाता है कि महानगरपालिका आयुक्त अथवा उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके द्वारा कपडवंज एवं मोडासा स्टेशनों का निरीक्षण

जनप्रतिनिधियों व हितधारकों के साथ किया विस्तृत संवाद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

परिचालन दक्षता की समीक्षा, आधारभूत संरचना के विकास कार्यों के मूल्यांकन के उद्देश्य से वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके द्वारा आज, 24 फरवरी, 2026 को मंडल के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष के साथ तोरणा गुड्स शेड, कपडवंज रेलवे स्टेशन तथा मोडासा रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने मोडासा रेलवे स्टेशन पर सांसद शोभनाबेन महेंद्रसिंह बरैया? तथा अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद किया और परिचालन संबंधी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने तोरणा गुड्स शेड में माल ढुलाई कार्यों की समीक्षा की तथा स्थानीय हितधारकों से संवाद किया। बैठक में उन्होंने ट्रेन परिचालन में सुधार, माल की सुगम आवाजाही, तथा उपयोगकर्ताओं द्वारा उठाए गए परिचालन संबंधी मुद्दों के समाधान पर चर्चा की गई। श्री भडके ने समयबद्ध लोडिंग एवं अनलोडिंग सुनिश्चित करने के लिए माल ग्राहकों के साथ बेहतर समन्वय पर बल दिया।

कपडवंज रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने मंडल के अधिकारियों सहित नगर पालिका के सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक की। बैठक में रोड अंडर ब्रिज के चौड़ीकरण तथा संपर्क मार्गों के सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई, जिससे यातायात सुगम हो सके और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। श्री भडके ने आश्वासन दिया कि उठाए गए मुद्दों पर संबंधित प्राधिकरणों के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मोडासा रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने माननीया सांसद शोभनाबेन महेंद्रसिंह बरैया, नगर पालिका के सदस्यों तथा एपीएमसी के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। बैठक में नडियाद-शामलाजी रेल संपर्क को सुदृढ़ करने, सुरक्षा की दृष्टि से लेवल क्रॉसिंग गेटों के युक्तिकरण एवं बंद करने, गेहूं की लोडिंग, उर्वरक की अनलोडिंग तथा अन्य परिचालन संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

श्री भडके ने दोहराया कि वडोदरा मंडल सुरक्षित, कुशल एवं यात्री-हितैषी रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह दौरा जनप्रतिनिधियों, नागरिक निकायों एवं व्यापारिक हितधारकों के साथ सक्रिय सहभागिता का प्रतीक है, जिससे विकासात्मक एवं परिचालन संबंधी प्राथमिकताओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके।

उत्तर महाराष्ट्र की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए खंडेश महामार्ग की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रक्रिया में– राज्य मंत्री मेघना साकोरे बोर्डीकर

मुंबई। राज्य के नागरिकों की यात्रा सुगम, सुलभ और बिना बाधा के होनी चाहिए। राज्य के महत्वपूर्ण नगरों तक छह से आठ घंटे में पहुँचना संभव हो, इसके लिए सरकार ने नियंत्रित महामार्गों का सशक्त जाल विकसित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसी क्रम में उत्तर महाराष्ट्र की तीव्र कनेक्टिविटी के लिए जलगांव, धुले और नंदुरबार जिलों को जोड़ने वाले एक सौ पाँच किलोमीटर लंबे खंडेश नियंत्रित महामार्ग की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल द्वारा तैयार की जा रही है। यह जानकारी राज्य मंत्री मेघना साकोरे बोर्डीकर ने विधान परिषद में दिए गए ध्यानाकर्षक उत्तर में दी।

इस विषय पर विधान परिषद सदस्य सत्यजीत तांबे ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किया था।

राज्य मंत्री मेघना साकोरे बोर्डीकर ने बताया कि नासिक और छत्रपति संभाजीनगर के बीच परस्पर संपर्क उपलब्ध कराया जाएगा तथा राज्य के सभी तालुकों को महामार्ग से जोड़ने का निर्णय सरकार ने लिया है।

उन्होंने यह भी बताया कि हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग पर आवश्यक मरम्मत कार्य करने के निर्देश संबंधित ठेकेदारों को दिए गए हैं। यदि इन कार्यों में गंभीर त्रुटियाँ पाई जाती हैं, तो संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा उन्हें काली सूची में डाला जाएगा।

समृद्धि महामार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में उन्होंने कहा कि इनमें अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय त्रुटियों के कारण होती हैं, जिनकी रोकथाम के लिए भी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। महामार्ग पर भोजन केंद्र प्रारंभ हो चुका है तथा अन्य सुविधाओं और विकास कार्यों पर भी काम प्रगति पर है। भूमि अधिग्रहण से संबंधित देय मुआवजा शीघ्रातिशीघ्र अदा किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि मुंबई से समृद्धि महामार्ग तक पहुँच के लिए आमणे-ठाणे मार्ग पर बनाए जा रहे पुलों का कार्य अंतिम चरण में है और इसे जून माह में यातायात के लिए खोलने की योजना है।

पश्चिम रेलवे

मशीन क्रश्ड स्टोन

मंडलीय रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक : BCT/25-26/324, दिनांक 23.02.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य एवं स्थान : विरार - जोरावासन खंड** ट्रैक बैलास्ट हेतु विनिर्देश अनुसार 50स्स आकार की मशीन क्रश्ड स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति। (आईएस / आरडीएसओ-जीई / 0001:2023) फरवरी-2023 या अद्यतन संस्करण के अनुसार तथा अतुल मेगा डिपो में हॉपरों में बैलास्ट की लोडिंग (शेष मात्रा : 91,350.46 घन मीटर)। **कार्य की अनुमानित लागत :** 8,48,10,680.56 **ईएमडी :** 5,74,100/- **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** 24.03.2026 तक, 15:00 बजे। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 24.03.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अवलोकन करें। 1165

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

परामर्श सेवाओं की नियुक्ति

एसीएम - (जी) - बीसीटी द्वारा निविदा सूचना क्रमांक : WRMMCTNFRCONSULTR DN2 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** चर्चगेट से विरार के बीच स्टेशनों पर रेल डिस्प्ले नेटवर्क (आरडीएन) परिसंपत्तियों (डिजिटल स्क्रीन, वीडियो वॉल) की पहचान, तकनीकी व्यवहार्यता तथा निविदा पैकेजिंग हेतु परामर्श सेवाओं की नियुक्ति। **विज्ञापित मूल्य :** 9,95,000/- **अर्नेस्ट मनी :** 19,900/- **निविदा दस्तावेज शुल्क :** 5,000/- **बोली प्रारंभ तिथि :** 04.03.2026 **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 18.03.2026 को 15:00 बजे। **संपर्क विवरण :** लैंडलाइन क्रमांक : 02267644212 **ई-मेल आईडी :** acmadvtgbct@gmail.com कार्य समय : 09:30 AM – 06:00 PM **मंडलीय कार्यालय का पता :** वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक, डीआरएम कार्यालय, एनेक्स भवन, प्रथम तल, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल - मुंबई - 400 008 अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अवलोकन करें। 1152

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

इन्वर्टर मरम्मत कार्य

वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता (कोचिंग), मुंबई सेंट्रल-08 द्वारा निविदा सूचना क्रमांक : डब्ल्यू आर-एम एम सी टी शून्य ई सी ओ ए (ई सी टी डी) /55/2025 कार्यालय वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता / कोचिंग / एम एम सी टी / डब्ल्यू (कंप्यूटर क्रमांक 683822) आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** 2.5 तथा 5 केवीए इन्वर्टरों की मरम्मत। **कार्य की अनुमानित लागत :** 5,59,978.44 **निविदा जमानत :** 11,200/- **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** 16.03.2026 तक, 15:00 बजे। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 16.03.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अवलोकन करें। 1146

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडलीय रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एन एफ आर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल,मुंबई - 400 008

कार्य : मुंबई मंडल में विभिन्न एन एफ आर माध्यमों के द्वारा विज्ञापन प्रदर्शन

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-PnU-25-18	13-03-26 13:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि एवं समय
1	PnU-BCT-VAPI-WRL-85-26-2 (Pay and Use - Lounges / Waiting / Retiring / Cloak Rooms)	वापी स्टेशन पर रिटायरिंग कक्ष / डॉर्मिटरी के नवीनीकरण, संचालन एवं रखरखाव हेतु ई-नीलामी	1826	13-03-26 13:30:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCTADVTMB25-12	13-03-26 14:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि एवं समय
1	MMS-MobGen-133732-2-26-1 (Misc-Mobile-Services - Mobile General)	पश्चिम रेलवे, मुंबई मंडल के अंतर्गत मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद - मुंबई सेंट्रल मार्ग पर रेल संख्या 12009/12010 शताब्दी रेलगाड़ी में ऑनबोर्ड निःशुल्क लाइफस्टाइल एक्सप्रेस पत्रिका के वितरण हेतु अनुबंध।	1096	13-03-26 14:30:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-80	13-03-26 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि एवं समय
1	ADVT-Int-133732-5-26-1 (Advertising - Train Interior)	एमएमसीटी मंडल की रेल संख्या 12009/12010 की तीन कोचों में स्थापित फ़ैक्ट्री में लगाए गए डिजिटल स्क्रीन (कुल 10 स्क्रीन) – जिनमें दो विस्ता डोम कोचों में प्रत्येक में 4-4 स्क्रीन तथा एक अनुभूति कोच में 2 स्क्रीन शामिल हैं – तीन वर्षों की अवधि के लिए माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन के लिए अनुबंध।	1096	13-03-26 15:30:00
2	ADVT-BCT-CCG-OH-469-26-1 (Advertising - Out of Home)	चर्चगेट स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 4 की पूर्वी ओर सड़क की दिशा में स्थित दीवारों पर एलसीडी / एलईडी के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन हेतु 05 वर्षों की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1826	13-03-26 15:40:00

संपर्क विवरण :लैंडलाइन क्रमांक : 02267644212ई-मेल आईडी : acmadvtgbct@gmail.com टिप्पणी : इच्छुक निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS जालस्थल (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें। उल्लेखित सूची के अंतर्गत लॉट-वार विस्तृत जानकारी वहाँ उपलब्ध है। 1163

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडलीय रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एन एफ आर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल,मुंबई - 400 008

कार्य : मुंबई मंडल में विभिन्न एन एफ आर माध्यमों के द्वारा विज्ञापन प्रदर्शन

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-57	11-03-26 14:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-NSP-MedStn-46-24-1 (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	11-03-26 14:40:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-79	11-03-26 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-BVI-OH-468-26-1 (Advertising - Out of Home)	बोरीवली परिभ्रमण क्षेत्र में 592वर्गफिट कुल विज्ञापन क्षेत्रफल के 20 ग्लो साइन स्थापित कर 5 वर्षों की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1826	11-03-26 15:30:00

संपर्क विवरण :लैंडलाइन क्रमांक : 02267644212ई-मेल आईडी : acmadvtgbct@gmail.com टिप्पणी : इच्छुक निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS जालस्थल (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें। उल्लेखित सूची के अंतर्गत लॉट-वार विस्तृत जानकारी वहाँ उपलब्ध है। 1148

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

राज्य के निजी एवं धर्मार्थ अस्पतालों में शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का क्रियान्वयन अनिवार्य – मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान सभा में कहा कि राज्य के सभी निजी एवं धर्मार्थ अस्पतालों में केंद्र तथा राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का क्रियान्वयन करना अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री फडणवीस विधान सभा सदस्य भीमराव तपकीर द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने धर्मार्थ अस्पतालों के लिए एक नई 'छूट की परिभाषा' तैयार की है, जिसके अनुसार अब कई अस्पताल धर्मार्थ श्रेणी में आते हैं। इन अस्पतालों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए आरक्षित बिस्तरों तथा निधियों के संबंध में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखें। अस्पतालों में उपलब्ध बिस्तरों तथा मरीजों पर होने वाले खर्च की सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए सरकार ने एक गतिशील विवरण पट विकसित किया है। इसके माध्यम से किसी भी समय प्रत्येक अस्पताल में उपलब्ध बिस्तरों, उन पर

होने वाले खर्च तथा धर्मार्थ निधियों के उपयोग से संबंधित जानकारी देखी जा सकेगी।

पूर्व में अस्पतालों को केवल खर्च दर्शाना आवश्यक था, किंतु वास्तव में सेवा प्रदान की गई या नहीं, इसकी कोई निश्चितता नहीं होती थी। अब सरकार ने निर्धारित दरों में वृद्धि की है और अस्पतालों को उसी दर के अनुसार सेवाएँ प्रदान करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक अस्पताल के लिए अपने बिस्तरों की दर सार्वजनिक रूप से घोषित करना भी अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही अस्पतालों को अपनी कुल निधि का दो प्रतिशत भाग धर्मार्थ सेवाओं के लिए उपयोग करना आवश्यक है। अब तक इस निधि के वास्तविक उपयोग की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं थी। इस सत्र में कानून में संशोधन कर इस दो प्रतिशत निधि की जानकारी भी विवरण पट पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे यह स्पष्ट होगा कि किस मरीज पर कितनी राशि खर्च की गई।इस संबंध में कुछ प्रकरण उच्च न्यायालय में लंबित हैं। न्यायालय ने अस्पतालों का पक्ष सुनने के बाद निर्णय लेने के निर्देश विधि एवं न्याय विभाग को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का मत यही है कि सभी धर्मार्थ अस्पताल केंद्र एवं राज्य की स्वास्थ्य योजनाओं, आरक्षित बिस्तरों तथा निधियों का पारदर्शी रूप से क्रियान्वयन करें।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहली बार राज्य सरकार ने प्रत्येक अस्पताल के प्रत्येक बिस्तर की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई है। आगामी संशोधन के बाद यह प्रणाली और अधिक सक्षम एवं पारदर्शी बनेगी।

इस विषय पर हुई चर्चा में राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जैसवाल, विधान सभा सदस्य विजय वडेट्टीवार, अमीन पटेल तथा प्रशांत बांब उपस्थित रहे।

मुंबई में 27-28 फरवरी को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा प्रदर्शनी एवं व्यापार मेला- अध्यक्ष रवींद्र साठे

ग्रामीण कारीगरों को प्रोत्साहन हेतु स्वदेशी वस्तुओं की खरीद का आह्वान

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के आह्वान तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 27 एवं 28 फरवरी को मुंबई में केंद्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में प्रदर्शनी एवं उद्यमियों के उत्पादों की बिक्री का आयोजन किया गया है। यह जानकारी महाराष्ट्र राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग मंडल के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) रवींद्र साठे ने पत्रकार परिषद में दी।

रवींद्र साठे ने बताया कि यह प्रदर्शनी केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा महाराष्ट्र राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग मंडल के सहयोग से घाटकोपर-अंधेरी लिंक मार्ग, साकीनाका, अंधेरी (पूर्व) स्थित मंत्रालय कार्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। प्रदर्शनी एवं मेला प्रातः 10 बजे से सायं 8 बजे तक सभी के लिए खुला रहेगा।

अब तक महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत आठ प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा चुका है। साथ ही कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों के विपणन एवं पहचान निर्माण के लिए 34 एकदिवसीय कार्यशालाएँ भी आयोजित की गई हैं। इस प्रदर्शनी में ग्रामीण क्षेत्रों के लघु कारीगरों द्वारा निर्मित बाँस हस्तशिल्प, फर्नीचर सामग्री, तैयार वस्त्र, मृद्धांड, आभूषण तथा अन्य पारंपरिक हस्तकला उत्पादों को लगभग 100 स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि खादी केवल वस्त्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें लघु उद्यमियों द्वारा निर्मित विविध उत्पाद शामिल हैं। रवींद्र साठे ने मुंबई के नागरिकों एवं उद्यमियों से अपील की है कि वे प्रदर्शनी में उपस्थित होकर स्वदेशी उत्पादों की खरीद करें तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करें।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के संचालक मिलिंद बरापात्रे ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्घाटन 27 फरवरी को प्रातः 11 बजे महाराष्ट्र राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग मंडल के अध्यक्ष रवींद्र साठे द्वारा किया जाएगा तथा मंडल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी गीतांजलि बाविस्कर इस अवसर पर उपस्थित रहेंगी।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दो वर्ष पूर्व प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में महाराष्ट्र ने देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। अब तक 27 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। तीन लाख अभ्यर्थियों का सफल पंजीकरण हुआ है, जिनमें से ढाई लाख को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं तथा 18 विभिन्न व्यवसाय श्रेणियों में दो लाख अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण एवं रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

अधिक जानकारी के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मुंबई के उपसंचालक सुनील खुजनरे से संपर्क करने का अनुरोध किया गया है।

केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र सहित आठ जिलों में रेल लाइन विस्तार को दी मंजूरी

तीन मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं को स्वीकृति

नई दिल्ली, 24 : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की केंद्रीय मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग नौ हजार बहत्तर करोड़ रुपये की लागत वाली तीन प्रमुख रेल विस्तार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में महाराष्ट्र के गोंदिया-जबलपुर रेल मार्ग के दोहरीकरण को विशेष रूप से शामिल किया गया है।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड – इन चार राज्यों के कुल आठ जिलों में लागू होने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में लगभग तीन सौ सात किलोमीटर की वृद्धि होगी। इसमें गोंदिया-जबलपुर लाइन का दोहरीकरण तथा पुनारख-किऊल और गम्हरिया-चांडिल मार्गों पर तीसरी और चौथी लाइन का कार्य शामिल है।

इन प्रस्तावित मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग पाँच हजार चार सौ सात गाँवों और लगभग अट्ठानवे लाख की आबादी को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। रेल लाइनों की क्षमता बढ़ने से परिवहन व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे भारतीय रेल की कार्यक्षमता और सेवा की विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इस निर्णय से यात्री और माल ढुलाई यातायात में भीड़ कम होगी और रेल संचालन अधिक सुचारु बनेगा।

प्रधानमंत्री के 'नए भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप, ये परियोजनाएँ क्षेत्रीय सर्वांगीण विकास पर केंद्रित हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा नागरिकों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी।

'प्रधानमंत्री गति शक्ति' राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत तैयार की गई इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और विभिन्न हितधारकों के परामर्श के माध्यम से बहु-आयामी संपर्क और परिवहन दक्षता को सुदृढ़ करना है। इससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। रेल क्षमता में इस वृद्धि से देश के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों को बेहतर संपर्क मिलेगा। इनमें जबलपुर का कचनार शिव मंदिर, बालाघाट का कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, पेंच राष्ट्रीय उद्यान, धुआंधार जलप्रपात तथा डालमा वन्यजीव अभयारण्य जैसे प्रसिद्ध स्थल शामिल हैं।

ये परियोजनाएँ कोयला, इस्पात, लौह अयस्क, सीमेंट, खाद्यान्न और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए भी महत्वपूर्ण मार्ग उपलब्ध कराएंगी। रेल लाइनों के विस्तार से प्रतिवर्ष लगभग बावन मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी।

रेल परिवहन पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष होने के कारण ये परियोजनाएँ देश के जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति में भी सहायक होंगी। इससे लगभग छह करोड़ लीटर तेल आयात की बचत होगी तथा तीस करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग एक करोड़ वृक्षारोपण के बराबर होगा।

राज्य महामार्गों पर दुर्घटनाएँ रोकने के लिए सख्त उपाय ; नशे में वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

मुंबई। राज्य में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की पृष्ठभूमि में परिवहन विभाग द्वारा विभिन्न कड़े कदम उठाए गए हैं तथा नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विधान सभा में दी।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक राज्य के महामार्गों पर चलने वाली निजी स्लीपर बसों से संबंधित दुर्घटनाओं को लेकर सदस्य धनंजय मुंडे द्वारा प्रस्तुत एक महत्वपूर्ण सुझाव का उत्तर दे रहे थे। इस चर्चा में सदस्य जयंत पाटिल, भास्कर जाधव, आदित्य ठाकरे, देवयानी फरांदे सहित अन्य सदस्य भी शामिल हुए।

परिवहन मंत्री ने बताया कि गत वर्ष हुई एक भीषण बस दुर्घटना में पच्चीस यात्रियों की मृत्यु हुई थी। संबंधित बस का पंजीकरण पुणे का था तथा प्रकरण छत्रपति संभाजीनगर में दर्ज किया गया। इसी प्रकार अक्तूबर दो हजार तेईस में समृद्धि महामार्ग पर वैजापुर के पास हुई दुर्घटना में बारह यात्रियों की जान गई। ये घटनाएँ अत्यंत गंभीर हैं। एक अन्य दुर्घटना, जिसमें दस लोगों की मृत्यु हुई, उसकी पुलिस जाँच में यह सामने आया कि चालक नशे की हालत में था। बस पलट जाने के कारण यात्री बाहर नहीं निकल पाए और उनकी मृत्यु हो गई।

उन्होंने यह भी बताया कि कुछ निजी बस चालक स्लीपर कोच के नाम पर बसों में अनधिकृत बदलाव करते हैं। पहले केवल एक स्तर की स्लीपर व्यवस्था होती थी, अब दो स्तर की स्लीपर व्यवस्था की जा रही है। विदेशों में स्लीपर बसों पर प्रतिबंध है, किंतु हमारे देश में केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार ये सेवाएँ संचालित हो रही हैं। यदि महाराष्ट्र में प्रतिबंध लगाया भी जाए, तो अन्य राज्यों में पंजीकृत बसें यहाँ आ सकती हैं, यह भी उन्होंने स्पष्ट किया।

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य भर में जाँच चौकियाँ स्थापित की गई हैं तथा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन उपायों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आई है और गत वर्ष अन्य राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र में दुर्घटनाओं की संख्या में एक प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। हालांकि यह संतोषजनक नहीं है और दुर्घटनाओं की संख्या शून्य तक लाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ऐसा परिवहन मंत्री ने कहा।

बसों की गति नियंत्रण के लिए अस्सी किलोमीटर प्रति घंटा की सीमा वाला गति मापक यंत्र लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। कुछ बसों के एक सौ बीस से एक सौ चालीस किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चलने की शिकायतें मिली हैं। इसके साथ ही ब्रेक विश्लेषण प्रणाली लगाने की योजना भी बनाई जा रही है। यह प्रणाली चालक के नशे में होने पर बस को चालू नहीं होने देती। इस प्रणाली की लागत लगभग डेढ़ लाख रुपये है। इसे राज्य परिवहन महामंडल की नई बसों के साथ-साथ टाटा और अशोक लेलैंड कंपनियों से खरीदी जाने वाली बसों में अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया है। निजी बस चालकों को भी यह प्रणाली लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़क सुरक्षा के लिए एक व्यापक योजना तैयार की जा रही है। इसमें परावर्तक संकेत, तीर चिह्नांकन, यू-टर्न और सीधी लेन के लिए दिशा सूचक संकेत तथा सौ, दो सौ, तीन सौ और पाँच सौ मीटर की दूरी दर्शाने वाले फलक लगाने की योजना शामिल है। यह योजना राष्ट्रीय महामार्गों, लोक निर्माण विभाग की सड़कों, राज्य परिवहन मार्गों तथा नगर क्षेत्र की सड़कों पर लागू की जाएगी। अंतिम चरण की यह योजना शीघ्र ही स्वीकृत होगी, ऐसा मंत्री ने बताया।

उन्होंने यह भी बताया कि सांगली में एक बस के ढाँचा क्रमांक के दुरुपयोग का मामला सामने आया है, जिसकी जाँच के आदेश दिए गए हैं। गलत तरीके से वाहन चलाने, नियमों के उल्लंघन या धोखाधड़ी के मामले पाए जाने पर संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किए जाएंगे। सदन में उपस्थित सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जाँच कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी, यह आश्वासन परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दिया।

'अंडाणु बेचने वाले गिरोह में 40 महिलाओं का हुआ शोषण, कई राज्यों तक फैला है जाल', पुलिस का दावा

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में गैरकानूनी तरीके से महिलाओं से अंडाणु निकालने और बेचने वाले गिरोह की जांच में पता चला कि यह बंगलूरू और तेलंगाना तक फैला हुआ था। अब तक चार महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। कम से कम 40 महिलाओं का इस गिरोह में शोषण किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मामले पर पुलिस ने क्या कहा?

पुलिस उपायुक्त (जोन-चार) सचिन गोरे ने मीडिया को बताया कि चौथी आरोपी की पहचान सोनल ग्रेवाल के रूप में हुई। उसे सोमवार की रात गिरफ्तार कियाय गया।

उन्होंने बताया कि ग्रेवाल ने बिना किसी मेडिकल डिग्री के गैरकानूनी सोनोग्राफी में मदद की और अपने घर में अंडाणु निकालने के उपकरण रखे थे।

गोरे बताया कि तीन जगहों से साढ़े नौ से 10 लाख रुपये तक के अवैध इंजेक्शन बरामद किए गए हैं।

पुलिस ने चार टीमें बनाई हैं और अन्य जगहों पर भी आरोपियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

कैसे उजागर हुआ यह पूरा मामला?

इस रैकेट का भंडाफोड़ तब हुआ, जब एक महिला ने शिकायत की कि उसे अंडाणु दान के पैसे नहीं मिले। इसके बाद कथित तौर पर रैकेट चलाने वाली प्रमुख आरोपी सुलक्षणा गाडेकर के घर छापा मारा गया, जहां हार्मोनल इंजेक्शन

बरामद हुए। इसके बाद अश्विनी चबुस्कर और मंजुशा वानखेड़े को गिरफ्तार किया गया।

कई राज्यों तक फैला हो सकता है नेटवर्क

पुलिस को शक है कि यह अपराध नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है। पुलिस के मुताबिक, मोबाइल फोन से मिले सबूतों से पता चला कि महिलाओं को 25 हजार रुपये से 30 हजार रुपये देने का प्रलोभन दिया गया। उन्हें हार्मोनल इंजेक्शन के बाद बंगलूरू, तेलंगाना, नागपुर, पुणे और नासिक ले जाया गया, वहां अंडाणु निकाले गए।

'40 महिला का शोषण हुआ'

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला कि 40 से ज्यादा महिलाओं का शोषण हुआ है। एक महिला से तो 33 बार अंडाणु निकालने की कोशिश की गई, जो कानून के खिलाफ है। कानून के अनुसार, किसी महिला से जीवन में केवल एक बार अंडाणु दान लिया जा सकता है। उल्हासनगर और ठाणे के दो अस्पतालों की भी जांच हो रही है, क्योंकि उन्होंने बिना डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन के सोनोग्राफी की।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कहा?

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने कहा कि पूरी जांच की जाएगी और अगर कोई डॉक्टर या एजेंट अंडाणु बेचने में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

जवाहर बाल भवन बच्चों के सर्वांगीण विकास का सशक्त केंद्र- स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन केवल एक शैक्षणिक अथवा सांस्कृतिक केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने वाला एक प्रेरणादायी मंच है। यह प्रतिपादन स्कूल शिक्षा मंत्री एवं बाल भवन शासी मंडल के अध्यक्ष दादाजी भुसे ने किया।

वे मुंबई विश्वविद्यालय के दीक्षांत सभागार में आयोजित महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन की चौहत्तरवीं स्थापना वर्षगांठ समारोह के अवसर पर बोल रहे थे।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव रंजीतसिंह देओल, विभागीय शिक्षा उपसंचालक श्री कांकल, बाल भवन के अशासकीय सदस्य प्रशांत भामरे, बाल भवन की संचालिका नीता पाटिल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने अपने संबोधन में कहा कि देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 24 फरवरी 1952 को जवाहर बाल भवन भवन का उद्घाटन किया था। आज यह संस्था अपने गौरवशाली चौहत्तर वर्ष पूर्ण कर रही है। जवाहर बाल भवन में चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाट्य, विज्ञान, योग तथा विविध सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा और कौशल को निखारा जाता है। साथ ही यहाँ जीवन मूल्यों, अनुशासन, सामूहिक भावना और नेतृत्व गुणों का भी विकास किया जाता है।

उन्होंने बताया कि स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष भर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे बाल मित्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बाल भवन भवन का नवीनीकरण कार्य प्रगति पर है और शीघ्र ही बाल मित्रों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन उपलब्ध होगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न राज्यों के नृत्यों की उन्होंने सराहना की।

बाल भवन की संचालिका नीता पाटिल ने अपने परिचयात्मक वक्तव्य में कहा कि विद्यार्थियों और अभिभावकों के सहयोग से बाल भवन का कार्य निरंतर और अधिक सशक्त होता जा रहा है। बाल भवन का नया भवन अब आकार ले रहा है, जो आधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगा। इसमें वातानुकूलित इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला, भव्य सभागार सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

स्थापना वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निबंध लेखन, कविता लेखन, चित्रकला, रंग भरना, गायन एवं नृत्य जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राज्य के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को इस अवसर पर मान्यवरों द्वारा सम्मानित किया गया।

कोंकण के आम उत्पादक किसानों को अधिकतम मुआवजा देने का प्रयास– रोजगार गारंटी योजना मंत्री भारत गोगावले

मुंबई,। कोंकण क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के कारण आम की मंजरी को नुकसान तथा फलन में कमी की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसके अनुसार क्षेत्र में प्रत्यक्ष सर्वेक्षण किया जा रहा है और रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आम उत्पादक किसानों को अधिकतम मुआवजा देने का प्रयास किया जाएगा। यह जानकारी रोजगार गारंटी योजना मंत्री भारत गोगावले ने विधान परिषद में दी।

कोंकण के आम बागायतदार किसानों की समस्याओं को लेकर विधान परिषद सदस्य सुनील शिंदे तथा प्रविण दरेकर ने ध्यानाकर्षक सूचना प्रस्तुत की थी। इस चर्चा में सदस्य भाई जगताप तथा एकनाथ खडसे ने भी भाग लिया।

मंत्री भारत गोगावले ने बताया कि वर्ष दो हजार पच्चीस में राज्य के चौंतीस जिलों में कुल एक करोड़ पाँच लाख अट्ठासी हजार हेक्टेयर क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुआ, जिसके लिए दस हजार पाँच सौ तिरासी करोड़ उनहत्तर लाख रुपये की निधि उपलब्ध कराई गई है।

कोंकण क्षेत्र में कुल नब्बे हजार आठ सौ हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जिसमें से दो हजार एक सौ पंद्रह हेक्टेयर क्षेत्र आम की फसल के अंतर्गत है। कोंकण क्षेत्र के लिए छियासी करोड़ छिहत्तर लाख रुपये के मुआवजे को मंजूरी दी गई है।

मंत्री गोगावले ने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की नीति के अनुसार आम जैसी शीघ्र नष्ट होने वाली फल फसलों के लिए समर्थन मूल्य प्रदान करना संभव नहीं है, इसलिए आम के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू नहीं किया जा सकता।

नेरुल विभाग द्वारा अनधिकृत निर्माण पर बेदखली कार्रवाई

नवी मुंबई महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग की ओर से, माननीय आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे और उप आयुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलास गायकवाड के मार्गदर्शन में, नेरुल विभाग में अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की गई।

नवी मुंबई महानगरपालिका के नेरुल विभाग के अंतर्गत श्रीमती बेबीबाई मधुकर तांडेल, यूनिट क्रमांक 0002, भूखंड क्रमांक 0152, सेक्टर-6, सरसोले गाँव, नेरुल, नवी मुंबई में अनधिकृत निर्माण किया जा रहा था।

इस संबंध में नेरुल विभागीय कार्यालय द्वारा महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन एवं नगर रचना अधिनियम, 1966 की धारा 54 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया था। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद भी संबंधित द्वारा अनधिकृत निर्माण स्वयं नहीं हटाया गया। इसके पश्चात नेरुल विभागीय कार्यालय द्वारा 23/02/2026 को उक्त अनधिकृत निर्माण पर बेदखली अभियान चलाया गया तथा अनधिकृत निर्माण हटाया गया।

यह कार्रवाई सहायक आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी डॉ. अनुराधा बाबर के नेतृत्व में अतिक्रमण विभाग के कर्मचारी, 7 मजदूर, 1 जेसीबी मशीन, पुलिस बल तथा सुरक्षा रक्षकों की उपस्थिति में की गई।

सम्पादकीय

महिलाओं से जुड़े मामलों में जजों की संवेदनशीलता पर सवाल, सुप्रीम कोर्ट ने क्यों दिए नए निर्देश

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी तरह के अन्याय के बाद न्याय के लिए न्यायपालिका ही उम्मीद का ठौर होती है। अदालतों में बैठे न्यायाधीश यह सुनिश्चित करते हैं कि पीड़ित पक्ष के साथ इंसाफ हो। मगर कई बार ऐसे मामले भी चर्चा और चिंता का कारण बने हैं, जिनमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े मुकदमों में किसी जज की टिप्पणी या उनके फैसले को न्याय की अवधारणा पर पूर्वाग्रह हावी होने के तौर पर देखा गया। इस क्रम में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए जो कहा गया, उसमें संवेदनशीलता का अभाव नजर आया। शायद यही वजह है कि पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट को जजों के दृष्टिकोण में जरूरी संवेदनशीलता विकसित करने के लिए अलग से प्रयास करने पर जोर देना पड़ा। शीर्ष अदालत की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि न्यायपालिका के सदस्यों के दृष्टिकोण के साथ ही अदालती प्रक्रियाओं में अंतर्निहित संवेदनशीलता और विवेक विकसित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

हालांकि समय-समय पर शीर्ष अदालत की ओर से न्यायाधीशों के दृष्टिकोण पर रूढ़िवादी सोच हावी होने से उपजे सवालों से निपटने के लिए कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2023 में एक पुस्तिका भी इस उद्देश्य से तैयार की गई थी कि न्यायाधीश पितृसत्तात्मक भाषा को पहचान कर उससे बच सकें। मगर इस सबका कोई ठोस असर सामने नहीं आ सका है। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने अब राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा और अन्य अपराधों के संदर्भ में न्यायाधीशों तथा न्यायिक प्रक्रिया के भीतर संवेदनशीलता एवं करुणा विकसित करने के उद्देश्य से दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने को कहा है।

जाहिर है, शीर्ष अदालत का निर्देश यह सुनिश्चित करने के मकसद से है कि जज महिलाओं के विरुद्ध अपराधों और खासतौर पर यौन हिंसा के मामलों में पूरी संवेदनशीलता के साथ सुनवाई करें, उनके फैसलों पर सामाजिक भेदभाव या पूर्वाग्रहों पर बनी धारणाओं की छाया नहीं दिखे। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की इस पहल में एक ऐसी समस्या की पहचान कर उसे रेखांकित किया गया है, जिसकी आमतौर पर अनदेखी की जाती है, लेकिन कई फैसलों पर उसका असर देखा जाता है।

दरअसल, महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में कई बार सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच से संचालित मानसिकता हावी होती है। जबकि अदालतों में न्यायाधीशों से यह उम्मीद की जाती है कि वे इस तरह के पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर कानून की व्याख्या करते हुए समाज में प्रचलित आम मानसिकता, उसके आधार पर बनने वाली धारणाएं और उसमें महिलाओं की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखेंगे। साथ ही वे मामले में फैसला देते हुए निरपेक्ष रह कर जरूरी संवेदनशीलता और करुणा का सहारा लेंगे। विडंबना यह है कि देश में निचली अदालतों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों और बलात्कार के मामलों में भी कुछ जज सामाजिक हकीकतों की अनदेखी करते हुए कानून के प्रावधानों की व्याख्या इस तरह करते हैं कि उससे आरोप हल्के हो जाते हैं और पीड़ित महिला के न्याय पाने की राह ज्यादा मुश्किल हो जाती है।

इसलिए जरूरत है कि न्यायाधीशों के दृष्टिकोण में संवेदना और करुणा विकसित करने के लिए लैंगिक संवेदनशीलता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के साथ-साथ न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर दिया जाए।

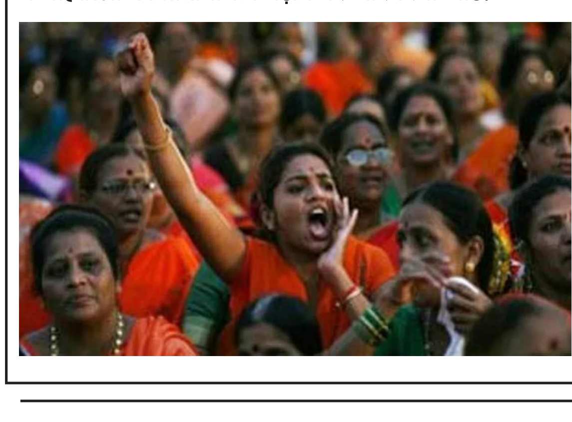

पर्यावरण सुधारने से बचेगी चारोंधाम की पवित्रता और अस्तित्व

बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने कहा है कि उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले 47 प्रमुख मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक के प्रस्ताव में जैन, सिख और बौद्ध समुदायों को छूट दी जाएगी। समिति की तरफ से कहा गया है कि मामला किसी विशेष धर्म का नहीं, बल्कि आस्था और धार्मिक अनुशासन का है, जो भी सनातन धर्म में आस्था रखता है, उसके लिए बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के द्वार खुले हैं। उसके पवित्र स्थलों की मूल प्रकृति को बनाए रखने के लिए सख्त कदम जरूरी है। प्रस्ताव का यह प्रतिबंध केवल मुस्लिम और ईसाई समुदाय पर लागू होगा। जैन, सिख और बौद्ध समुदाय को छूट देने के पीछे तर्क दिया गया है कि अनुच्छेद 25 के तहत इन्हें हिन्दू परंपरा के अंतगर्त माना गया है। इस प्रस्ताव को जनवरी के अंत या फरवरी की शुरुआत में होने वाली बोर्ड बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

सवाल यही है कि सिर्फ मुस्लिम और ईसाइयों को बाहर रखने से ही क्या मंदिरों की पवित्रता बची रहेगी। क्या यही असली चुनौती है। चारो धाम पर जो पर्यावरण का खतरा सिर पर मंडरा रहा है, उससे पवित्रता खतरे में नहीं है। हिन्दुओ के चार वेद एवं 18 पुराणों में से एक प्रमुख स्कंद पुराण में की गई भविष्यवाणी के अनुसार कलियुग के हजारों वर्षों बाद और इसके अंत से पूर्व केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम जैसे प्रमुख तीर्थ स्थल अदृश्य हो जाएंगे या नष्ट हो जाएंगे। इस भविष्यवाणी का तात्पर्य यह बिल्कुल नहीं है की कोई शक्ति जाकर इन मंदिरों को तोड़ देगी या नष्ट कर देगी। बल्कि स्कंद पुराण के अनुसार कलियुग के अंत में जब धर्म का पतन अपने चरम पर होगा, तब यह दिव्यस्थल अपनी आध्यात्मिक शक्ति को समेट लेंगे और अदृश्य या भक्तों की पहुंच से दूर हो जाएंगे।

उपरोक्त भविष्यवाणी यह चेतावनी है कि कलियुग में हमें धर्म का पालन करना चाहिए, ताकि कलयुग में पवित्र स्थल और उनकी कृपा हम पर बनी रहे। साल 2013 में केदारनाथ में भीषण आपदा को भी कुछ लोग इस भविष्यवाणी की झलक मानते हैं। 15 जून 2025 को रुद्र प्रयाग में एक हेलिकाप्टर दुर्घटना ग्रस्त हो गया है। जिसमें सवार सभी तीर्थ यात्रियों के मृत्यु हो गई। कुछ लोग इसे वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार आधुनिक दृष्टिकोण के रूप में प्रतीकात्मक मानते हैं कि अगर हम पर्यावरण का नाश करेंगे तो धर्म हमसे दूर होता चला जाएगा। मौजूदा दौर में प्राकृतिक आपदाएं या सामाजिक पतन की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। ये इस बात का संकेत है कि इस पूरे क्षेत्र में दशकों से चले आ रहे प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने हालात बिगाड़ दिए हैं। इसके बावजूद जितनी गंभीरता से पर्यावरण को बचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, वे ऊट के मुंह में जीरे के समान है।

साल 2013 में केदारनाथ में भयंकर विनाशकारी आपदा आई थी। केदारनाथ आपदा में 4400 से अधिक लोग मारे गए। 7 फरवरी 2022 को धौली और ऋषि गंगा का ऐसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों जिंदगियां दफ्न हो गई थी। इस आपदा ने न सिर्फ 204 लोगों की जान ले ली, बल्कि अपने रास्ते में आने वाले सभी बुनियादी ढांचों को नष्ट कर दिया। आपदा में करीब 1, 625 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। वर्ष 2025 में 51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन किए, जो पिछले साल अर्थात 2024 की तुलना में 4 लाख 35 हजार अधिक है।

केदारनाथ यात्रा के दौरान डेढ़ से 2 टन कचरा रोजाना उत्पन्न होता है। वर्ष 2025 की यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड 17.68 लाख भक्तों ने लगभग कुल 2300 टन से अधिक कचरा फैलाया है, जिसमें 100 टन प्लास्टिक शामिल है। हिमालयी क्षेत्र में कूड़ा जलाने पर बैन होने के कारण, इस मलबे को खच्चरों द्वारा सोनप्रयाग नीचे लाने में ?25 करोड़ से अधिक की लागत आ रही है। यह कचरा पिछले साल की तुलना में 325 टन अधिक है। जिसमें 2200 टन ठोस कचरा और लगभग 100 टन प्लास्टिक शामिल है। हर तीर्थयात्री ने औसतन 1.5 किलो से ज्यादा कचरा छोड़ा। भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। यह कचरा 23 अक्टूबर 2025 को कपाट बंद होने के बाद सफाई अभियान के दौरान गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच मिला।

जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, अल्मोड़ा और उत्तराखंड औद्योगिक एवं वानिकी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक चारधाम में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ ग्रीष्मकालीन के साथ ही शीतकालीन गतिविधियों को भी प्रभावित कर रही है। ऐसे में ग्लेशियरों के पीछे खिसकने की वजह से भूस्खलन हिमस्खलन चट्टानों के गिरने समेत खतरों को बढ़ा रहा है। यही नहीं, ग्लेशियर के पीछे हटने से हैकिंग ट्रेल्स और पर्वतारोहण मार्गों में भी बदलाव आ रहे हैं। लिहाजा, चारधाम में बढ़ रही भक्तों की भीड़ की वजह से पर्वतीय पर्यटन पर प्रभाव पड़ रहा है। मुख्य रूप से, श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने की वजह से चारधाम यानी बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के समीप मौजूद ग्लेशियर न सिर्फ तेजी से पिघल रहे हैं बल्कि सालाना धामों के तापमान भी 0.02 से 0.05 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो रही है।

दिसंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में हजारों एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण का स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा था कि राज्य तंत्र की विफलता के कारण '23 साल लग गए' और अधिकारी सब कुछ देखते हुए भी शांत बने रहे। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण और कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण/पेड़ों की कटाई पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को 'मूकदर्शक' बने रहने के लिए कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने, जांच के लिए समिति गठित करने और पारिस्थितिक नुकसान की भरपाई करने के निर्देश दिए थे। उत्तराखंड में हज़ारों हेक्टेयर वन भूमि पर अवैध कब्जे के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य में कार्यकारी पद पर आसीन प्रत्येक व्यक्ति इस लापरवाही के लिए जवाबदेह है। सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा कि आपको अवैध कब्ज़े का पता लगाने में 23 साल का समय लग गया। सुप्रीम कोर्ट की इस तल्ख टिप्पणी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उत्तराखंड सरकार को पर्यावरण बचाने की कितनी चिंता है, इसके विपरीत धार्मिक भावनाओं को भुनाने के लिए पवित्रता बचाने की कवायद की जा रही है।

उत्तराखंड में मानवीय गतिविधियों के विस्फोट से ये भयावह हालात पैदा हुए हैं। व्यवसायिक गतिविधियों के लालच ने उत्तराखंड को विनाश के कगार पर धकेला है। इंसानों द्वारा प्रकृति को दिए गए घावों से उत्तराखंड कराह रहा है। हालात ये हैं कि पर्यटन और धार्मिक आस्था के नाम पर उत्तराखंड पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। देवताओं का निवास माने जाने वाला यह प्रदेश इस दबाव को सहन करने की शक्ति खोता चला रहा है।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। उत्तराखंड के चारधामों में क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं का आना हिमालय की पारिस्थितिकी और पर्यावरण के लिए भविष्य में खतरा बन सकते हैं। बड़ा सवाल यही है कि स्कंद पुराण की भविष्यवाणी के मुताबिक उत्तराखंड के तीर्थस्थल हीं नहीं रहेंगे तो पवित्रता का क्या होगा। पर्यावरण बर्बाद होने के कारण ऐसे हालात बनते दिखाई दे रहे हैं। बेहतर यही है कि धर्म के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिश के बजाए उत्तराखंड की वास्तविक चुनौतियों का समाधान ढूंढा जाए।

टूटना, बिखरना, समेटना और संवरना जीवन के चार चक्र

जिस तरह से जीवन के साथ मृत्यु का संबंध है, ठीक उसी तरह जीवन में टूटने, बिखरने, समेटने और संवरने का भी संबंध है। इंसान हमेशा जीवन से मृत्यु की ओर खिसकता रहता है, वैसे ही उसके जीवन में बार-बार टूटने की स्थिति आती है। जब इंसान टूटेगा, तो निश्चित तौर पर बिखरेगा भी। बिखरने के बाद उसे समेटना भी जरूरी है।

जब ये तीनों क्रियाएं हो जाती हैं, उसके बाद जो कुछ भी होता है, वह संवरता है। हम अपने जीवन में पीछे मुड़कर देखें, तो पता चलेगा कि हालात बद से बदतर होते रहे। हम कई बार टूटे, बिखरे, फिर स्वयं को समेटा और आखिर स्तर पर पहुंचते-पहुंचते एक बार फिर संवरने लगे।

हर किसी के जीवन में ये चार चक्र आते ही हैं। टूटने से शुरू होकर यह क्रिया संवरने तक चलती है। ऐसा भी नहीं है कि एक बार टूट गए, तो फिर यह क्रम समाप्त हो जाएगा। वास्तव में हम जीवन में जब भी टूटे हैं, तभी एक नया जीवन शुरू हुआ है। टूटने का आशय अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। इंसान जब भी टूटा है, तो समझना चाहिए कि वह फिर से संवरने के लिए टूटा है। इसलिए टूटने की इस क्रिया को कभी गलत नहीं समझना चाहिए।

दरअसल, संवरने की सलाहियत हासिल करने की की पहली सीढ़ी है किन्हीं वजहों से टूटना। यानी जुड़ने के लिए होने वाला पहला उपक्रम। जो टूटा है, वह जुड़ेगा ही, बशर्ते जुड़ने का हौसला बना रहे। जुड़ता वही है, जो टूटता है।

इंसान जिंदगी भर जीने का ही उपक्रम करता रहता है। जीना यानी पल-पल सांस लेने की प्रक्रिया से गुजरते हुए जीवन संगीत में रम जाना। यही रमने में क्रिया जब सघन हो जाती है, तो इसे 'डूबना' कहते हैं। यहां डूबने से आशय अपने मनचाहे काम को पूरी तल्लीनता से करना भी है। हर किसी के लिए डूबना अलग-अलग हो सकता है। संगीत वाले जब डूबकर गाते या बजाते हैं, तो हर किसी के मुंह से वाह-वाह निकल आता है।

संगीत हो या कोई भी अन्य रचनात्मक क्षेत्र, 'डूबना' सार्थक होता है। सभी कहते हैं कि टूटे हुए साज की आवाज को हर कोई नहीं समझ सकता। इसी तरह टूटे हुए दिल की बात भी हर कोई नहीं समझ पाता है। इसे वही समझ सकता है, जो कभी टूटा हो। टूटने को नकारात्मक भाव से नहीं लेना चाहिए। यह आगे बढ़ने की पहली प्रक्रिया है। जीवन का ककहरा इसी टूटने से शुरू होता है।

बाइबल में जीसस ने कहा है- मांगोगे, तभी पाओगे। पाने के लिए मांगना ही पड़ता है। हम अगर स्वाभिमान की बात करते हुए यह कह सकते हैं कि हम हाथ नहीं फैलाएंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। मगर यहां हाथ फैलाने की बात नहीं हो रही है, यहां बात हो रही है दिल में कुछ पाने की चाहत हो, तो वह चीज मिल जाती है।

अगर हमें अनायास कोई चीज मिल जाए, तो हम उसकी कद्र नहीं करते। जिसे प्राप्त करने के लिए हम बार-बार टूटते हैं या कह लें कि मरते हैं, वह जब मिल जाती है, तो हमें सुकून की वह दौलत मिल जाती है, जिसके लिए अच्छे-अच्छे तरस जाते हैं। पर वह मंजिल नहीं होती। जीवन में टूटने का यह क्रम बार-बार आता है। पर इसी में छिपा है बिखरना।

बिखरने में होता यह है कि हमारे आसपास पूरी तरह से अंधेरा छा जाता है। हाथ को हाथ नहीं सूझता, अंधेरा इतना गहन होता है कि जिसे हम अपना कहते नहीं थकते, वह भी हमारा हाथ छोड़कर चल देता है। इस अंधेरे का लाभ हर कोई उठाता है। एक-एक करके सभी निकल जाते हैं। जब थोड़ी-सी उजास को हम अपने करीब पाते हैं, तब समझ में आता है कि जिसे हमने अपना सबसे बड़ा संबल माना था, वही हमसे दूर चला गया है। तब कोई नहीं होता। यही होता है बिखरना।

हमारे अपने कहे जाने वाले लोग गहन विश्वास का एक-एक टुकड़ा लेकर दूर हो जाते हैं। हम उस वक्त अकेले होते हैं। कई बार इतने अकेले कि हमारी छाया भी नहीं होती। अंधेरे में भला छाया किसके साथ होती है? हमें समझ में आ जाता है कि किस-किस ने हमारा साथ दिया। ऐसे लोग गिनती के ही होंगे। बहुत कम लोग। यही लोग अपने होते हैं। इन्हें हम अपना कह सकते हैं। यही चंद लोग हमें समेटने के काम में आते हैं।

कुछ इधर से कुछ उधर से लोग आते हैं, हमें सांत्वना देते हैं, समझने की कोशिश करते हैं। बिखरे हुए सच को सामने लाते हैं। हम मान सकते हैं कि यह क्रिया समेटने की है। यह प्रक्रिया बहुत धीमे होती है। बरसों लग जाते हैं सब कुछ समेटने में। जब सब कुछ समेट लिया जाता है, तब लगता है कि हम बहुत ही कठिन रास्तों से गुजरकर खुली हवा में सांस ले रहे हैं। यह पल बहुत ही आह्लादित करने वाला होता है कि हमने खुद को समेट लिया। परीक्षा की एक घड़ी को पार कर लिया। अपनों को पहचान लिया।

अब शुरू होती है संवरने की प्रक्रिया। संवरना, यानी सब कुछ धीरे-धीरे व्यवस्थित होना। जिंदगी को यह लगे कि अब आराम के पल हमारे साथ हैं, तो यहीं से शुरू होता संवरना। इन पलों में हमारे साथ सब कुछ अच्छा होने लगता है। हमारा परिवार हमारे साथ होता है, हम अपनों के साथ होते हैं। हम खुशी से भर उठते हैं। खुशियां हमारा इंतजार करती होती हैं। चारों ओर से शुभ समाचार मिलने लगते हैं।

सही मायने में जिंदगी ठहर जाती है। इस ठहरी हुई जिंदगी को गहरी सांस लेकर जी लेना चाहिए, क्योंकि अगले ही पल फिर शुरू हो सकती है टूटने की प्रक्रियाष्ठ जिसके लिए शायद हम तैयार न हों!

विकल्पों की बाढ़ ने हमें विविध अवसर दिए हैं, लेकिन निर्णय की स्थिरता को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है। आज स्थिति यह है कि हम शीघ्रातिशीघ्र परिणाम चाहते हैं, तत्काल स्थापित होना चाहते हैं और बिना संघर्ष के ही सफलता की कल्पना करने लगते हैं। यही कारण है कि मार्ग में उपस्थित छोटे-छोटे अवरोध भी हमें बड़े संकट जैसे प्रतीत होने लगते हैं। पूरा पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

तकनीक के दुरुपयोग का फैलता दायरा

ग्रामीण इलाकों में भी साइबर अपराध का बढ़ना कोई संयोग नहीं

हाल के वर्षों में भारत ने विभिन्न सेवाओं के डिजिटलीकरण में खासी प्रगति की है। देश में नब्बे करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हो गए हैं, जिससे डिजिटल माध्यम से पैसे के लेन-देन और अन्य कार्यों को पूरा करने का चलन भी बढ़ा है। इसी की बदौलत भारत ने दुनिया के सबसे बड़े 'रियल-टाइम' भुगतान बाजार के रूप में खुद को परिवर्तित किया है। वर्ष 2017 और 2023 के बीच 'रिटेल डिजिटल भुगतान' में 50.8 फीसद की तेज वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2014 में यह देश की जीडीपी का 4.5 फीसद हिस्सा था और 2026 के अंत तक इसके बीस फीसद तक पहुंचने का अनुमान है। मगर डिजिटल तकनीक के तेजी से हो रहे प्रसार के साथ कई साइबर संबंधी समस्याएं भी सामने आई हैं।

आज अक्सर ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां लोग साइबर धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। भले ही डिजिटल समावेशन का सपना अब देश के दूरदराज इलाकों तक पहुंच चुका है, लेकिन इस उपलब्धि के साथ कई तरह की चुनौतियां भी पैदा हो गई हैं। तकनीक का दुरुपयोग सुरक्षा में सेंध लगा रहा है और इस तरह के अपराध पर लगाम लगाना सुरक्षा एजंसियों के लिए भी टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 के बाद से देश में साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं में करीब चार सौ फीसद की वृद्धि हुई है। अब ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी क्षेत्र डिजिटल ठगी के नए केंद्र बनते जा रहे हैं। कुछ शहरों में साइबर सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने के कारण वहां इस तरह के अपराध तेजी से बढ़े हैं।

ग्रामीण इलाकों में भी साइबर अपराध का बढ़ना कोई संयोग नहीं, बल्कि यह सामाजिक और तकनीकी बदलाव का नतीजा है। बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों में स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने डिजिटल पहुंच तो बढ़ा दी है, लेकिन लोगों में डिजिटल समझ नहीं बढ़ी है।

सट्टेबाजी और आनलाइन खेल ऐप, जो मनोरंजन के रूप में पेश किए जाते हैं, वे साइबर ठगी के आसान जरिया बन गए हैं। यही वजह है कि पिछले छह साल में आनलाइन धोखाधड़ी के कारण भारतीयों को 52 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा है। यह जानकारी भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के ताजा आंकड़ों से सामने आई है।

समन्वय केंद्र की रपट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में देश के नागरिकों ने करीब 19, 813 करोड़ रुपए साइबर धोखाधड़ी में गंवाए हैं। इस दौरान 21 लाख से ज्यादा शिकायतें राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज हुईं। इससे पहले वर्ष 2024 में 22, 849 करोड़ रुपए का नुकसान और लगभग 19 लाख शिकायतें सामने आईं।

आज जब ज्यादातर चीजें मोबाइल और इंटरनेट पर सुलभ हैं, वहीं साइबर अपराधी भी हर उस चूक का इंतजार करते हैं, जो आम लोग अनजाने में कर बैठते हैं। ऐसे में सबसे जरूरी है कि लोग खुद को डिजिटल रूप से प्रशिक्षित और सतर्क बनाएं। समस्या इसलिए भी जटिल होती जा रही है कि साइबर अपराधी ठगी के लिए नए-नए तरीके अपनाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी देश भर में बढ़ रहे डिजिटल अपराध से निपटने के लिए सरकार को उचित एवं प्रभावी कदम उठाने को कहा।

शीर्ष अदालत के मुताबिक, डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों और संबंधित अधिकारियों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। साइबर ठगी के मामलों में पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक राहत मुहैया कराने की मांग भी उठ रही है, जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक विचार कर रहा है।

माना जा रहा है कि आरबीआइ एक नया नियम बना सकता है, जिसके तहत साइबर ठगी के छोटे मामलों में पीड़ित को पच्चीस हजार रुपए की आर्थिक मदद मिल सकती है। मगर यह तभी संभव होगा, जब पीड़ित व्यक्ति समय पर बैंक को इस तरह की धोखाधड़ी की जानकारी देगा।

साइबर अपराध बढ़ने से आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हालात ये हैं कि साइबर अपराध अब केवल तकनीकी चूक का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यक्तिगत गोपनीयता और समग्र डिजिटल व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। आज साइबर ठगी केवल ई-मेल या फोन काल तक सीमित नहीं रह गई है।

'ंद वायस क्लोनिंग', 'डीपफेक वीडियो', नकली ऐप और सोशल मीडिया पर बनाए गए फर्जी प्रोफाइल के जरिए अपराधी आम लोगों पर मानसिक दबाव बनाकर धोखाधड़ी कर रहे हैं। कई मामलों में जालसाज खुद को बैंक अधिकारी, पुलिस अफसर, आयकर अधिकारी या किसी करीबी रिश्तेदार के रूप में पेश कर तत्काल भुगतान की मांग करते हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा अब महज पैसों के नुकसान से बचाने का मामला नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बन चुका है।

एक रपट के मुताबिक, भारत में डिजिटल तरीके से वित्तीय लेन-देन अब बड़े पैमाने पर होने लगा है। इसलिए साइबर सुरक्षा अब सिर्फ तकनीकी रूप से ही नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवस्था में नागरिकों के भरोसे को कायम रखने के लिए भी जरूरी है। सरकार ने साइबर ठगी को रोकने के लिए कानून जरूर बनाए हैं, लेकिन आज भी इनका प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन, तथ्य जांच और वास्तविक समय में निगरानी जैसी प्रणालियां बहुत धीमी गति से काम करती हैं।

जाहिर है, किसी एक एजंसी पर जिम्मेदारी डालने से साइबर अपराध पर अंकुश लगाना संभव नहीं है। इसके लिए केंद्र-राज्य सरकारें, बैंकिंग-वित्तीय संस्थान, टेक कंपनियां और आम नागरिक, सभी को एकजुट होकर एक रणनीति के साथ काम करना होगा। इसमें दोराय नहीं कि इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ने के साथ-साथ डिजिटल धोखाधड़ी का दायरा भी बढ़ रहा है। ऐसे में संदिग्धों का पंजीकरण इस तरह के मामलों से निपटने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है, लेकिन यह एक व्यापक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। साइबर सुरक्षा उपायों को मजबूत करना, डिजिटल साक्षरता बढ़ाना और नागरिकों में सतर्कता एवं जागरूकता को प्रोत्साहित करना भी उतना ही अहम है। नीति निर्माताओं को नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा को केंद्र में रखना होगा।

आज भारत एक डिजिटल समाज बनने की ओर अग्रसर है, मगर अब भी बड़ी संख्या में लोग डिजिटल रूप से साक्षर नहीं हैं। अगर साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो निकट भविष्य में इसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। यह विफलता हमारे समाज को नकदी-आधारित प्रणालियों की ओर फिर से रुख करने के लिए मजबूर कर सकती है।

मगर हम नवाचार, संस्थागत सहयोग और नैतिक प्रारूप के सही संयोजन के साथ सुरक्षात्मक उपाय तलाशेंगे, तो न केवल देश में इस खतरे को नियंत्रित कर सकते हैं, बल्कि साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए वैश्विक स्तर पर भी मिसाल कायम कर सकते हैं। इसलिए तेजी से बदलते डिजिटल दौर में खुद को आगे रखने के लिए सरकार, प्रौद्योगिकी क्षेत्र और समाज के बीच एक समन्वित एवं सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। साथ ही सतर्कता, डिजिटल अनुशासन और विशेषज्ञों की ओर से सुझाए गए व्यावहारिक उपायों के जरिए इस खतरे को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

राम दयाल 25 वर्ष के हैं मनोहर थाना के मदनपुरा गांव के निवासी हैं। उनका कहना है कि जब दो साल पहले उनके अकाउंट में 33, 000 रुपये आए तो वह चौंक गए। क्योंकि उन्होंने किसी भी योजना के लिए आवेदन नहीं किया था तो वो सतर्क हो गए।

यूपी बोर्ड के विद्यालयों में बोर्ड के स्वीकृत प्रकाशकों की पढाई जाएगी किताबें

बेहद कम दाम में बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही है पुस्तकें : डा स्कंद शुक्ला

बाहरी प्रकाशकों की किताबों के पढाने पर होगी सख्त कार्रवाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की पाठ्य पुस्तकों को स्पष्ट किया है कि यूपी बोर्ड को उसके अधिनियम के तहत यह अधिकार है कि यूपी बोर्ड से संबंधित विद्यालयों में बोर्ड द्वारा स्वीकृत प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पाठ्य पुस्तकें ही पढ़ाई जाएंगी जिसमें राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्त विहीन तीनों प्रकार के विद्यालय शामिल हैं। यह फैसला जस्टिस नीरज तिवारी और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह के 8 जनवरी के आदेश के खिलाफ प्रकाशक मेसर्स राजीव प्रकाशन एंड कंपनी और दो अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं को निस्तारित करते हुए दिया है।

यूपी बोर्ड के अपर सचिव (शोध) डा स्कंद शुक्ला ने आज बताया कि यूपी बोर्ड को अधिनियम- 1921 और 1979 के पाठ्य पुस्तक एक्ट के तहत यह अधिकार है कि यूपी बोर्ड के नियंत्रण वाले विद्यालयों में वही पाठ्य पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी जिसे यूपी बोर्ड स्वीकृति प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से 8 जनवरी को एक विज्ञप्ति जारी की गई थी जिसमें स्पष्ट कर दिया गया था कि यूपी बोर्ड द्वारा जिन तीन प्रकाशकों मेसर्स पायनियर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स आगरा, मेसर्स पीतांबरा बुक्स प्राइवेट लिमिटेड बिजौली झांसी और मेसर्स सिंघल एजेंसीज लखनऊ को पुस्तकों के प्रकाशन के लिए अधिकृत किया गया है। उनके द्वारा ही प्रकाशित

36 विषयों की 70 पुस्तकों को विद्यालयों में पढ़ाया जाएगा। इनके अलावा किन्हीं अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें विद्यालयों में नहीं पढ़ाई जाएंगी लेकिन विद्यालयों में अगर अन्य प्रकाशनों की पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी या फिर बच्चों से यह जबरदस्ती की जाती है कि वह दूसरे अनाधिकृत प्रकाशकों की किताबें और गाइड खरीदें और पढ़ें। तो ऐसा करना जहां शिक्षा की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ होगा। वहीं इससे उन्हें मंहगी किताबें खरीदनी पड़ेगी।

अपर सचिव (शोध) डा स्कंद शुक्ला ने कहा है कि यूपी बोर्ड की ओर से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अधिकृत किताबें ही पढ़ाई जाएं। जहां कभी कस्टमाइज यानी कुछ बदलाव की जरूरत पड़ती है तो वह बदलाव भी बोर्ड की ओर से किए जाते हैं। जो बच्चों के लिए उपयोगी साबित हों। उन्होंने दावा किया है कि यूपी बोर्ड द्वारा जिन प्रकाशकों अनुमति देकर पुस्तकें प्रकाशित कराई जा रही हैं वह बेहद कम दाम में बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा है कि यूपी बोर्ड द्वारा यह जनहित में उठाया गया कदम है और यह बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम है। उन्होंने कहा है कि अगर इस प्रावधान के खिलाफ कोई भी जाता है तो उसके खिलाफ पेनाल्टी का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा है कि यूपी बोर्ड के 8 जनवरी के उस आदेश के खिलाफ में मेसर्स राजीव प्रकाशन एंड कंपनी व दो अन्य प्रकाशक इलाहाबाद हाईकोर्ट गए थे लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट का जो आदेश आया है। उसमें हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि यूपी बोर्ड को यह अधिकार है कि वह अपनी किताबें प्रकाशित कर सकता है और प्रिसक्राइब कर सकता है। यूपी बोर्ड के विद्यालयों में वही पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी जिसे यूपी बोर्ड ने प्रकाशकों को स्वीकृति प्रदान कर प्रकाशित कराया है।

यूपी बोर्ड के अपर सचिव (शोध) डा स्कंद शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि हाईकोर्ट ने अन्य प्रकाशकों को अपनी पुस्तकें प्रकाशित करने पर रोक नहीं लगाई है लेकिन यूपी बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में वही पुस्तक की पढ़ाई जाएंगी जो यूपी बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा है कि यूपी बोर्ड ने तीन प्रकाशकों को एनसीईआरटी की 70 पुस्तकें 36 विषयों की प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा हिंद, संस्कृत और उर्दू की किताबें जो पूर्ण रूप से विकसित की गई है उसे भी इन्हीं प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित कराया गया है। उन्होंने कहा है कि यूपी बोर्ड द्वारा स्वीकृत तीन प्रकाशकों के अतिरिक्त अगर किसी प्रकाशकों की पुस्तकें यूपी बोर्ड के विद्यालयों में पढ़ाई जाएगी तो दंडात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

ज़ी टीवी का पॉपुलर शो जगद्धात्री ने पूरे किए 100 एपिसोड

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का पॉपुलर शो जगद्धात्री, जिसे राहुल कुमार तिवारी प्रोड्यूस कर रहे हैं, ने अपने 100 शानदार एपिसोड पूरे कर लिए हैं, जो पूरी कास्ट और क्रू के लिए एक बड़ा और खास मुकाम है। यह शो एक ऐसी लड़की की कहानी दिखाता है, जिसके अंदर दो अलग-अलग पहलू छिपे हैं और जो मुश्किल हालात में भी अपनी हिम्मत और ताकत से आगे बढ़ती है। आगे क्या होगा, यह जानने के लिए देखते रहिए 'जगद्धात्री', रोज रात 10 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

किसान सम्मेलन की तैयारी के लिए सपा जिलाध्यक्ष ने बानगंगा की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में 27 और 28 तारीख को बांसी विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित किसान सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए बानगंगा बैराज पर सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सम्मेलन को सफल बनाने के लिए व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर किसानों को सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि किसान देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उनके अधिकारों और समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी निरंतर संघर्ष करती रही है। यह सम्मेलन किसानों की आवाज को बुलंद करने का मंच बनेगा।

इस दौरान शोहरतगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी उग्रसेन सिंह सहित मुरली मिश्रा, प्रदीप पथरकट, धीरेंद्र यादव, राममिलन भारती, रामसेवक लोधी, अखिलेश मौर्या, रामू यादव, वीरेंद्र त्रिपाठी, हरिनारायन यादव, मनोज, आसिफ, हरिद्वार, सर्वेश जायसवाल, मुकुल, दिनेश, घनश्याम मिश्र, सुदामा, डब्लू सिंह, गुड्डू सिंह, अजमत मलहू, रामदीन, सलीम इजहार, सूरज त्रिपाठी, राधेश्याम, रामसहाय यादव, मैनुद्दीन, अफजल, भगवान दास यादव, जवाहर यादव, जोखन सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

यौन उत्पीड़न और पोक्सो केस में कैसे सुनवाई, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को बताया में लगाई गुहार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपने खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न और पोक्सो केस के सिलसिले में अग्रिम जमानत के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वकील राजर्षि गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश की लीगल टीम के ज़रिए दायर की गई यह याचिका, प्रयागराज की एक स्पेशल कोर्ट द्वारा नाबालिगों के यौन शोषण के आरोपों के बाद एफआईआर दर्ज करने के आदेश के कुछ दिनों बाद आई है। इस याचिका पर जल्द ही सुनवाई हो सकती है। तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने सेक्शन 173 (4) के तहत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में एक अर्जी दी है।

एडीजे रेप और पोक्सो स्पेशल कोर्ट विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी पुलिस को केस दर्ज करके जांच करने का आदेश दिया है। कोर्ट के इस आदेश का पालन करते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। झूंसी थाने ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरी और दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर बीएनएस एक्ट के सेक्शन 351(3) और प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफ़ेंस एक्ट के सेक्शन 51 के तहत दर्ज की गई है। सेक्शन 6, 3, 4(2), 16, और 17 के तहत ईंदर्ज की गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस बीच, सोमवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपने खिलाफ पोक्सो एक्ट केस को सरकार की गोहत्या पर बैन की मांग से ध्यान हटाने की तरकीब बताया। एएनआई से बात करते हुए, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सरकार पर शंकराचार्यों पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि कथित पोक्सो केस में दूसरे आरोपी उनके गुरुकुल से जुड़े नहीं थे। धार्मिक नेता ने कहा, हम समय-समय पर जनता से मिलते हैं। यह सरकार चाहती है कि हम धार्मिक नेता और सरकार दोनों बनें। देश में चार शंकराचार्य हैं जिन्होंने हमेशा सनातन धर्म की रक्षा की है। अब उन्होंने उन पर हमला करना शुरू कर दिया है। सच कभी खत्म नहीं होता, वह हमेशा रहता है। गोहत्या पर बैन के लिए आवाज उठाई गई है, और हम इस आवाज को और भी जोर से उठाते रहेंगे। ये लोग जनता का ध्यान किसी और चीज पर हटाना चाहते हैं। इसी दिन पहले, उत्तर प्रदेश पुलिस स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के घर पर उन्हें कथित यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार करने पहुंची थी। मीडिया से बात करते हुए स्वामी ने कहा कि वह किसी भी तरह से पुलिस का विरोध नहीं करेंगे और उनके साथ सहयोग करेंगे। दूसरी तरफ, पिछले हफ्ते शनिवार को, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बच्चों के यौन अपराधों से बचाव (पोक्सो) कोर्ट ने ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। यह आदेश धार्मिक नेता पर नाबालिगों के यौन शोषण के आरोपों के बाद आया।

पुलिस ने स्कूली बच्चों को महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अमित कुमार थाना- पथरा बाजार के निर्देशन में ग्राम संगवारे व कंपोजिट विद्यालय झहराव में उप निरीक्षक महेंद्र, कांस्टेबल सुदामा यादव, महिला कांस्टेबल ममता यादव द्वारा मिशन शक्ति/साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

महिलाओं में होने वाले अपराध को लेकर पुलिस ने स्कूली बच्चों को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के निर्देशन में थाना क्षेत्र के ग्राम निवि दोहनी कम्पोजिट विद्यालय में मिशन शक्ति/साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ पर उप निरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती, महिला कांस्टेबल नंदिनी गुप्ता द्वारा महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

छत्रपति शिवामहाराज ने सनातन को दिया था नयी दिशा

साधना, सेवा है जीवन का उददेश्य : स्वामी हरिनारायण समदर्शी

सनातन को मजबूत करना है जीवन का लक्ष्य : स्वामी श्री

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज छत्रपति शिवामहाराज के 12वें पिंडी वंशज महारानी छत्रपति राजमाता के राजगुरु है। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज एक आध्यात्मिक प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं, जो आज की युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढी छत्रपति शिवा महराज के जीवन संघर्षो, राष्ट्र के प्रति प्रेम, समर्पण, सदभाव, लोगों के कल्याण की योजना, सभी की मदद करना सहित अन्य से सीख लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवा महराज ने सनातन धर्म और सनातनियों का संरक्षण किया है जिससे बडी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर छत्रपति शिवा महराज के नेतृत्व में मुगलों के खिलाफ लडाई लडी जिससे सनातन धर्म की धर्म ध्वजा फहराती रही।

स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज का जन्म उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जनपद के ग्राम पिपरौद में सरयू पारीय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोष बालकृष्ण मिश्रा और माता श्रीमती उर्मिला देवी संतोष मिश्रा हैं। 8 वर्ष की बाल्यकाल अवस्था में स्वामी हरिनारायण समदर्शी का मन गुरुकुल परंपरागत वेदाध्यन और सनातन परम्परा की ओर प्रेरित था। स्वामी के बाबा बालकृष्ण बालक आश्रम तपस्वी दंडी संन्यासी संत थे। दंडी स्वामी बाबा के प्रेरणा से उन्होंने संपूर्णानंद विश्वविद्यालय वाराणसी काशी विद्यालय और शाखा प्रयागराज सरजू पारी में वेद पाठशाला में अध्ययन किया। उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद का सांगोपांग अध्ययन किया और गिरनार सिद्ध संतों की भूमि में संतों के सानिध्य में गुरु दीक्षा प्राप्त की। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने मां भगवती की शक्ति उपासना साधना करते हुए तपस्या की। उन्होंने प्रयागराज गंगा में खड़े होकर सात वर्ष तक साधना की और गुजरात जूनागढ़ गिरनार में सिद्ध संतों का सान्निध्य प्राप्त करके सिद्धियां प्राप्त कीं।

स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि मां सिद्धेश्वर पुरुषार्थ दंडी स्वामी बालक आश्रम चित्रकूट के अध्यक्ष हैं, जिसकी स्थापना 150 वर्ष पूर्व उनके पूर्वजों ने किया था। उन्होंने आराध्य तपोस्थली आश्रम पुणे महाराष्ट्र और अरैल प्रयागराज में आश्रमों की शाखाएं स्थापित कीं। उनका उद्देश्य गौ-संत सेवा, ब्राह्मण सेवा, विद्यार्थी सेवा और भगवत्भागवतों की सेवा है। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि एक प्रेरणाश्रोत हैं जो अपने शिष्य - प्रशिष्यों के सेवा कार्यों को करने के लिए प्रेरित करते हैं। वह संतो की सेवा कर रहे हैं और अपने पूर्वाचार्यों की कृति को संजोये रखते हैं। कुंभ मेला प्रयागराज, माघ मेला क्षेत्र में सवा महीना तक गंगा स्नान करने वाले बडी संख्या में श्रद्धालु, संत, महात्माओं और भक्तों को प्रतिदिन भण्डारे का प्रसाद, वस्त्र प्रदान करते है। माघ मेला के पश्चात आश्रमों में विभिन्न प्रकार की दैनिक सेवा रहती है। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि जीवन भर संत, श्रद्धालुओं की अन्न से सेवा करते रहेगे।

डीआईजी बस्ती द्वारा जोगिया उदयपुर कोतवाली का किया औचक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद में कानून व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए पुलिस पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती, परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी द्वारा थाना जोगिया उदयपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, मालखाना, साइबर हेल्पडेस्क, सीसीटीएनएस कार्यालय, बंदी गृह, मिशन शक्ति केन्द्र, आगन्तुक कक्ष, थाना परिसर आदि का निरीक्षण किया गया एवं थाना कार्यालय के अभिलेखों का निरीक्षण कर सभी प्रविष्टियां अद्यावधिक करने , कार्यालय / थाना परिसर की साफ-सफाई प्रतिदिन कराने व लम्बित विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण, वाछित अभियुक्तो की गिरफ्तारी तथा थाना परिसर में खड़े माल मुक़दमाती, लावारिस आदि वाहनों का निस्तारण ऑपरेशन क्लीन के तहत कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर डीआईजी बस्ती द्वारा ग्राम चौकीदारों से संवाद स्थापित करते हुए उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों का बोध कराया गया, साथ ही क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने एवं समय पर सूचनाओं से अवगत कराने हेतु उन्हें प्रेरित किया गया तथा उन्हें साफा वितरित किया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान-छ्इए, थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर अभय सिंह व पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था' का अठारहवाँ राष्ट्रीय अधिवेशन : सोच बदलती है तो समाज बदलता है, और समाज बदलता है तो संसार बदलता है'

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/नई दिल्ली। राष्ट्रसेवा, शौर्य, समर्पण एवं बलिदान की दिव्य परंपरा को नमन करते हुए राष्ट्रीय सैनिक संस्था का अठारहवाँ राष्ट्रीय अधिवेशन आज सत्याग्रह मंडप, राजघाट स्थित गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति परिसर में अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। देश के विभिन्न राज्यों से आए पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं, सैन्य अधिकारियों, समाजसेवियों तथा गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने इस अधिवेशन को राष्ट्रीय एकता और सैनिक सम्मान का विराट मंच बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान, शहीदों की आरती एवं शंखनाद के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण परिसर राष्ट्रभक्ति की भावनाओं से ओतप्रोत हो उठा। इस अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी शुकदेवानन्द ट्रष्ट के मैनेजिंग ट्रष्टी, पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। साथ ही राज्यपाल उत्तराखंड गुरमीत सिंह जी, जैन संत आचार्य लोकेश मुनि जी, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि विजय गोयल जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पवन सिन्हा जी, संस्थापक, पवन चिंतन धारा, राजन छिब्बर जी, सलाहकार, स्कोडा समूह तथा अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

अपने प्रेरक एवं ओजस्वी उद्बोधन में स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने सैनिकों के त्याग और तपस्या को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए कहा, 'सैनिक वेतन के लिये नहीं, वतन के लिये जीते हैं। उनका जीवन अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रप्रेम की जीवंत मिसाल है।' उन्होंने कहा कि सैनिक केवल सीमाओं की रक्षा नहीं करते, बल्कि वे राष्ट्र की संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान के भी रक्षक हैं। उनके त्याग के कारण ही देश सुरक्षित, स्वतंत्र और समृद्ध है। स्वामी ने आगे कहा, 'सोच बदलती है तो समाज बदलता है, और समाज बदलता है तो पूरा संसार बदलता है। आज आवश्यकता है कि हम नकारात्मकता और विभाजन से ऊपर उठकर सकारात्मकता, सेवा और समरसता को अपनाएँ।' उन्होंने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि आज का समय संघर्ष और टकराव का नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का है। 'अब हमें महाभारत की नहीं, महान भारत बनाने की आवश्यकता है।' राज्यपाल गुरमीत सिंह ने अपने संबोधन में सैनिकों के साहस और बलिदान को राष्ट्र की आधारशिला बताते हुए कहा कि भारत की सीमाओं की सुरक्षा केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि सैनिकों की निष्ठा और समर्पण से सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा, 'हमारे सैनिक कठिनतम परिस्थितियों में भी राष्ट्रधर्म का पालन करते हैं। उनका त्याग हमें कर्तव्य, अनुशासन और देशप्रेम का वास्तविक अर्थ सिखाता है। यह अधिवेशन सैनिक सम्मान, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और महान भारत के निर्माण की दिशा में एक सशक्त एवं प्रेरणादायी कदम है।

इस अवसर पर ई.एस.एम. पी. पी. सिंह, कोषाध्यक्षय कर्नल मुकेश त्यागी जी, अध्यक्ष, उत्तर क्षेत्रय राजीव जॉली खोसला जी, संयोजक, उत्तर क्षेत्रय उषा राणा जी, अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ (उत्तर क्षेत्र), अधिवक्ता सुधीर कुमार जी, अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ (उत्तर क्षेत्र)य उर्वशी वालिया जी, अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ (दिल्ली), ई.एस.एम. ज्ञान सिंह जी, अध्यक्ष, गाजियाबादय सुनील बंसल जी, अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ (दिल्ली), राज शर्मा जी, अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ (गाजियाबाद), नमिता भल्ला जी, अध्यक्ष, द्रांगय पुष्कर सिंह जी, अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ, लेफ्टिनेंट वी. पी. शर्मा जी, उपाध्यक्षय अंजू शर्मा जी, संयुक्त सचिव, अधिवक्ता सुनील कुमार जी, विधिक सलाहकार, स्वाति बंसल जी, सदस्य, राष्ट्रीय सैनिक संस्था आदि अनेक विशिष्ट विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अवैध निर्माण की शिकायत पर नागरिक पर जानलेवा हमला

पालिका कार्यालय के सामने दौड़ाकर पीटा - वीडियो वायरल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अवैध निर्माण के खिलाफ शिकायत करना एक नागरिक को भारी पड़ गया। भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के प्रभाग समिति क्रमांक-4 कार्यालय के सामने ही शिकायतकर्ता पर जानलेवा हमला कर दिया गया। हमलावरों ने उसे दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अपनी जान बचाने के लिए उसे पालिका के आरोग्य (स्वास्थ्य) केबिन में छिपना पड़ा। इस पूरी घटना का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से शहर में सनसनी फैल गई है।

पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता मोहम्मद मंसूर मोहम्मद अतिक अंसारी (59) ने प्रभाग समिति क्रमांक-4 क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ सहायक आयुक्त कार्यालय में लिखित शिकायत दी थी। शिकायत देकर बाहर निकलते ही पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उन्हें रोककर गाली-गलौज की और अचानक हमला कर दिया। आरोपियों ने उन्हें थप्पड़ मारकर मोटरसाइकिल से गिरा दिया और लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। बाद में अन्य साथियों को बुलाकर सामूहिक मारपीट की गई। हमले में शिकायतकर्ता के बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया तथा शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि हमलावरों ने उनकी जेब से मोबाइल फोन और करीब 1500 रुपये नकद भी निकाल लिए। जान बचाने के लिए शिकायतकर्ता पालिका परिसर स्थित आरोग्य केबिन में भागकर छिपे, जहां कर्मचारियों ने दरवाजा बंद कर उनकी जान बचाई। पुलिस ने नियाज सिद्दीकी (चाय वाला), फिरोज मेमन, कासिफ सिद्दीकी और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मुख्य आरोपी नियाज को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि अन्य की तलाश जारी है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि प्रभाग समिति क्रमांक-4 क्षेत्र में अवैध निर्माण लगातार जारी है और शिकायत करने वालों को धमकाया जाता है। पालिका कार्यालय के सामने हुई इस घटना से नागरिकों में भारी आक्रोश है और शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा देने की मांग उठ रही है।

भिवंडी में महिला के साथ मारपीट और अभद्रता....

भाई ने घर से निकालने के विवाद में कपड़े फाड़े, डंडे से पीटा - आरोपी हिरासत में

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर के श्रीरंगनगर इलाके में घरेलू विवाद के चलते एक महिला के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार का गंभीर मामला सामने आया है। महिला के सगे भाई पर मारपीट करने, गाली-गलौज करने और कपड़े फाड़कर बेइज्जत करने का आरोप लगा है। भिवंडी शहर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार श्रीरंग नगर की रहने वाली 29 वर्षीय गृहिणी ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक 14 फरवरी की रात करीब 11 बजे वह अपने घर पर मौजूद थी, तभी उसका भाई विकास राजेश केशरवाणी (33) अपनी मां के साथ वहां आया। दोनों ने महिला से घर छोड़कर चले जाने को कहा और कहा कि वह उनके साथ न रहे। बताया जाता है कि महिला ने इसका विरोध करते हुए भाई से गाली-गलौज न करने की बात कही। इसी बात से नाराज होकर आरोपी विकास केशरवाणी ने अपना आपा खो दिया और महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपी ने पहले महिला को गालियां दीं और फिर हाथ-पैर तथा लकड़ी के डंडे से उसकी पिटाई की। मारपीट के दौरान महिला की पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने महिला के कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ अभद्र व्यवहार कर उसकी इज्जत को ठेस पहुंचाई। घटना के दौरान महिला की मां भी मौके पर मौजूद थी और झगड़ा छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि आरोपी ने उन्हें भी धक्का देकर अलग कर दिया। घटना के बाद पीड़िता ने भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी विकास राजेश केशरवाणी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 115(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से इलाके में चर्चा का माहौल है, वहीं पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

भिवंडी में बिना अनुमति लगे बैनर पर केस

महापौर को बधाई देने के लिए लगाए पोस्टर, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में बिना अनुमति बैनर लगाने का मामला सामने आया है। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 22 फरवरी की रात करीब 11:30 बजे शांतिनगर स्थित के.जी.एन. चौक, नूर हॉस्पिटल के पास अज्ञात व्यक्ति द्वारा भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के नव-निर्वाचित महापौर को बधाई देने के लिए बैनर लगाए गए थे। आरोप है कि संबंधित व्यक्तियों ने महानगरपालिका की अनुमति लिए बिना ही अवैध रूप से बैनर लगाए। इस मामले में प्रभाग समिति क्रमांक-2 में प्रभारी बीट निरीक्षक के रूप में कार्यरत आकाश बालासाहेब भोईर (42) की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने महाराष्ट्र मालमत्ता विद्रूपीकरण प्रतिबंधक अधिनियम 1995 की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया है।पुलिस मामले की जांच कर रही है और बैनर लगाने वाले अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है।

भिवंडी में चाकू से हमला, युवक गंभीर घायल

पुरानी रंजिश में गाली-गलौज के बाद जांघ में घोंपा चाकू, आरोपी फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।शहर के पद्मानगर इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। भिवंडी शहर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता आकाश रामकुमार केशरवाणी (31), निवासी पद्मानगर, 23 फरवरी की रात करीब 9:15 बजे राममंदिर के सामने पुलिस चौकी के पास मौजूद था। उस समय वहां शंकर महादेव का भंडारा कार्यक्रम चल रहा था और डीजे की आवाज सुनने के लिए वह रुका हुआ था। इसी दौरान वहां आरोपी जगदीश जवाहरलाल केशरवाणी (55), निवासी श्रीरंगनगर, पहुंचा। बताया जाता है कि आरोपी को शिकायतकर्ता के पिता के साथ हुए पुराने विवाद की रंजिश थी। इसी रंजिश को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता को गाली-गलौज करना शुरू कर दिया.शिकायतकर्ता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने अपने पास रखा चाकू निकाल लिया और शिकायतकर्ता की दाहिनी जांघ पर वार कर दिया। अचानक हुए हमले से शिकायतकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के दौरान आरोपी ने शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस ने आरोपी जगदीश जवाहरलाल केशरवाणी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 118(1), 115(2), 351(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

जम्मू और कश्मीर में रेल संपर्क की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर वंदे भारत का जम्मू तक विस्तार

जम्मू से श्रीनगर की दूरी पांच घंटे से भी कम समय में होगी पूरी

जम्मू और कश्मीर में रेल कनेक्टिविटी को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, उत्तर रेलवे ने श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा -श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन विस्तार जम्मू तक कर दिया है। इस इलाके के लोगों की यह लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी हो गई है, जिससे हज़ारों यात्रियों को तेज़, सुरक्षित और ज़्यादा भरोसेमंद यात्रा का विकल्प मिल गया हैं।

लोगों की भारी मांग को देखते हुए उत्तर रेलवे ने अब श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर वंदे भारत ट्रेनों का जम्मू तक विस्तार कर दिया है, जिससे जम्मू व कश्मीर घाटी के बीच यात्रियों का आवागमन सुगम होगा ।

श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का जम्मू तवी तक विस्तार, दिनांक 01.03.2026 से प्रभावी होगा ।

इस विस्तार के साथ, यात्री अब जम्मू और श्रीनगर के बीच पांच घंटे से भी कम समय में यात्रा कर सकते हैं, जो सड़क मार्ग से यात्रा की तुलना में काफी कम है। इस क्षेत्र में सड़क मार्ग से जाने वाले यात्रियों को अक्सर भूस्खलन, भारी बर्फबारी और खराब मौसम की वजह से रुकावटों का सामना करना पड़ता है । वंदे भारत सेवाओं का विस्तार एक भरोसेमंद, हर मौसम का विकल्प देता है जो सुरक्षा, आराम और समय की पाबंदी सुनिश्चित करता है। सेमी हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेनें आधुनिक यात्री सुविधाओं, बेहतर सुरक्षा सुविधाओं से लैस हैं, जिससे यात्रा न केवल तेज़ बल्कि अधिक सुविधाजनक भी हो जाती है। इस विस्तार से स्थानीय निवासियों को बहुत लाभ होने, पर्यटन को बढ़ावा देने, व्यापार को आसान बनाने और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने की उम्मीद है।

उधमपुर -श्रीनगर- बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट 6 जून 2025 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश को समर्पित किया गया था । इसके लोकार्पण के बाद से ही , वहां के लोगों, व्यापारियों, छात्रों और पर्यटकों की तरफ से जम्मू को सीधे श्रीनगर से सेमी हाई-स्पीड वंदे भारत सर्विस के ज़रिए जोड़ने की ज़ोरदार और लगातार मांग थी।

यह प्रयास भारत सरकार और इंडियन रेलवे के जम्मू और कश्मीर के आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने और के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लगातार प्रयासों को दर्शाता है।

बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स 2026 में पश्चिम रेलवे दो पुरस्कारों से सम्मानित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे ने बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स 2026 में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतकर गौरव प्राप्त किया है। यह राष्ट्रीय स्तर का मंच है, जो नवाचार, प्रभाव और सतत विकास पर विशेष ध्यान देते हुए अवसंरचना विकास में उत्कृष्टता को मान्यता प्रदान करता है। पुरस्कार समारोह का आयोजन 24 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल, पॉर्ट्स, शिपिंग एवं जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना तथा ऊर्जा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद नाइक उपस्थित थे। चयन समिति में दूरदर्शी व्यक्तित्व, उद्योग जगत के अग्रणी एवं अनुभवी पेशेवर शामिल थे। विभिन्न श्रेणियों जैसे सड़क, रेल, परिवहन आदि से कुल 146 नामांकन प्राप्त हुए थे।

रेलवे क्षेत्र के लिए यह सम्मान श्री वी. सोमन्ना, रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री द्वारा प्रदान किया गया, जिसे पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा प्राप्त किया गया।

यह पुरस्कार पश्चिम रेलवे की दो महत्वपूर्ण पहलों के लिए प्रदान किए गए - गुजरात के दाहोद में भारत का पहला 9000 एचपी विद्युत इंजन निर्माण तथा मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर अत्याधुनिक डिजिटल लाउंज एवं को-वर्किंग स्पेस की स्थापना। ये उपलब्धियां उन्नत प्रौद्योगिकी और यात्री-केंद्रित अवसंरचना के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। निर्माण उत्कृष्टता का पुरस्कार दाहोद इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में निर्मित देश के पहले 9000 हॉर्सपावर विद्युत इंजन के लिए प्रदान किया गया। यह उच्च क्षमता वाला इंजन भारतीय रेल की माल ढुलाई क्षमता और परिचालन दक्षता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस इंजन का निर्माण हरित ऊर्जा के उपयोग के साथ किया गया है और इसे ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग टैग प्रदान किया गया है। मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर विकसित डिजिटल लाउंज एवं को-वर्किंग स्पेस को यात्री सुविधाओं में नवाचार और गैर-भाड़ा राजस्व सृजन के लिए सम्मानित किया गया। लगभग 1700 वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित इस सुविधा को आधुनिक यात्रियों, विशेष रूप से व्यवसायिक पेशेवरों और दूरस्थ कार्य करने वालों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। डिजिटल लाउंज में हाई-स्पीड वाई-फाई, समर्पित बैठक एवं कॉन्फ्रेंस कक्ष तथा वर्चुअल मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध हैं। इसके साथ ही हल्के नाश्ते की सुविधा भी प्रदान की गई है। यह परियोजना भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और लचीली कार्य संस्कृति के अनुरूप स्टेशन अवसंरचना को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स ऐसे परिवर्तनकारी अवसंरचना परियोजनाओं को सम्मानित करते हैं, जो नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देते हुए सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव उत्पन्न करती हैं। बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स 2026 में प्राप्त ये दोहरे सम्मान पश्चिम रेलवे की तकनीकी उन्नयन, अवसंरचना आधुनिकीकरण और यात्री अनुभव में सुधार की दूरदर्शी सोच को दर्शाते हैं तथा विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हैं।

आगामी होली पर्व के मद्देनज़र अहमदाबाद मंडल द्वारा विशेष यात्री प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्थाएँ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी होली त्योहार के अवसर पर यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। होली पर्व के दौरान पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए कुल 684 ट्रेन ट्रिप्स संचालित किए जाएंगे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस संबंध में मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी संबंधित विभागों को यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने हेतु ठोस एवं प्रभावी प्रबंध करने के निर्देश दिए गए।

यात्री सुविधाएँ एवं भीड़ प्रबंधन

यात्री होल्डिंग एरिया

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन

कालूपुर साइड

कालूपुर साइड के होल्डिंग एरिया को तीन भागों में विभाजित किया जाएगाः

मल्टी मोडल ट्रांसपोर्ट हब बिल्डिंग का ग्राउंड फ्लोर

लगभग 43,056 वर्ग फुट

पैसेंजर रिज़र्वेशन सिस्टम कार्यालय के पास स्थित वर्तमान होल्डिंग एरिया

लगभग 4,133 वर्ग फुट

एलिवेटेड रोड के नीचे ऑटो-रिक्शा लेन एवं दोपहिया पार्किंग क्षेत्र का एक भाग

लगभग 4,844 वर्ग फुट

सरसपुर साइड

सरसपुर साइड के होल्डिंग एरिया को दो भागों में विभाजित किया जाएगाः

बुकिंग कार्यालय के पास स्थित वर्तमान होल्डिंग एरिया

लगभग 3,229 वर्ग फुट

बुकिंग कार्यालय एवं कूली मस्जिद की ओर जाने वाले मार्ग का क्षेत्र

लगभग 6,458 वर्ग फुट

साबरमती रेलवे स्टेशन

साबरमती स्टेशन पर लगभग 4,000 से 5,000 यात्रियों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। यातायात के सुचारु प्रवाह को सुनिश्चित करने हेतु प्रवेश एवं निकास द्वारों को अलग-अलग रखा गया है, जिससे भीड़ का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

इन होल्डिंग क्षेत्रों में पंखों, पेयजल एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे प्लेटफार्मों पर अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित किया जा सके तथा यात्रियों का चरणबद्ध प्रवेश सुनिश्चित हो।

विशेष प्लेटफार्म प्रबंधन योजनाः

अधिकांश होली स्पेशल एवं अधिक भीड़ वाली गाड़ियाँ प्लेटफॉर्म संख्या 8 से संचालित की जाएंगी, जिससे भीड़ का प्रभावी वितरण सुनिश्चित हो सके।

केन्द्रीकृत घोषणा प्रणाली को सुदृढ़ किया गया है, ताकि यात्रियों को समय-समय पर आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराई जा सकें।

अतिरिक्त हेल्प डेस्क, टिकट काउंटरों पर पर्याप्त स्टाफ, पेयजल सुविधा, स्वच्छता व्यवस्था एवं प्रतीक्षालयों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था

स्टेशन परिसरों एवं प्रमुख प्लेटफार्मों पर RPF एवं GRP कर्मियों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी।

RPF एवं वाणिज्य स्टाफ को आवश्यक ह्ड हैंडसेट उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे त्वरित समन्वय एवं प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सके। बैग चेकिंग अभियान को सघन रूप से चलाया जाएगा।

RPF CCTV कक्ष से ही वार रूम संचालित किया जाएगा, जहाँ से 24x7 निगरानी की जाएगी।

सादे वस्त्रों में RPF एवं GRP की CPDS (अपराध रोकथाम एवं जांच दल) टीमें संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखेंगी।

चौबीसों घंटे CCTV निगरानी प्रणाली सक्रिय रहेगी तथा किसी भी स्थान पर भीड़ बढ़ने की स्थिति में फील्ड इकाइयों को तत्काल सतर्क किया जाएगा।

वाणिज्य एवं विशेष सहायता प्रबंध

मंडल स्तर पर वार रूम का गठन किया गया है, जहाँ से वरिष्ठ अधिकारी 24x7 निगरानी करेंगे।

भीड़ की स्थिति में उच्च अधिकारी स्वयं प्लेटफॉर्म पर उपस्थित रहेंगे।

यात्रियों को होली स्पेशल ट्रेनों एवं अतिरिक्त सेवाओं की जानकारी देने हेतु सोशल मीडिया, प्रेस विज्ञप्ति, नियमित ट्वीट एवं सार्वजनिक घोषणा प्रणाली का व्यापक उपयोग किया जाएगा।

टिकट चेकिंग स्टाफ को अतिरिक्त सतर्कता एवं मार्गदर्शन हेतु निर्देशित किया गया है।

दिव्यांग, वृद्ध एवं अस्वस्थ यात्रियों हेतु विशेष प्रबंध

सिविल डिफेन्स टीम को समर्पित सहायता दल के रूप में तैनात किया जाएगा, जो दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों एवं अस्वस्थ यात्रियों को प्लेटफार्म तक पहुँचाने, ट्रेन में चढ़ाने एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी।

चिकित्सा टीम 24x7 उपलब्ध रहेगी।

पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। त्योहार के दौरान सभी व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जाएगी, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पश्चिम रेलवे चलाएगी होली के अवसर पर दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की सुविधा तथा होली पर्व के दौरान बढ़ी हुई यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे दादर - नई दिल्ली एवं वलसाड - मऊ के बीच विशेष किराये पर दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 04001/04002 दादर - नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 04001 दादर - नई दिल्ली स्पेशल हर शुक्रवार को 00:05 बजे दादर से प्रस्थान कर उसी दिन 21:05 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। यह ट्रेन 27 फरवरी, 2026 एवं 06 मार्च, 2026 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली - दादर स्पेशल हर बुधवार को 22:40 बजे नई दिल्ली से प्रस्थान कर अगले दिन 22:40 बजे दादर पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 फरवरी, 2026 एवं 04 मार्च, 2026 को चलेगी। मार्ग में यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, मथुरा एवं कोसी कलां स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर एवं एसी 3-टियर के कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 05018/05017 वलसाड - मऊ स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 05018 वलसाड - मऊ स्पेशल हर रविवार को 15:10 बजे वलसाड से प्रस्थान कर मंगलवार को 00:45 बजे मऊ पहुंचेगी। यह ट्रेन 01 मार्च एवं 08 मार्च, 2026 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05017 मऊ - वलसाड स्पेशल हर शनिवार को 03:45 बजे मऊ से प्रस्थान कर अगले दिन 12:35 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 28 फरवरी एवं 07 मार्च, 2026 को चलेगी।

मार्ग में यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूण्डला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर एवं बेलथरा रोड स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकेंड क्लास के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04001 की बुकिंग 25.02.2026 से तथा ट्रेन संख्या 05018 की बुकिंग 26.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। ठहराव समय एवं कोच संरचना की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर विजिट कर सकते हैं।

सुपर 8 का महासंग्राम : टीम इंडिया के लिए 'करो या मरो', पाकिस्तान-इंग्लैंड की राह में भी कांटे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। शानदार ग्रुप स्टेज के बाद, आठ टीमें - भारत, दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के खिताब के लिए आपस में भिड़ रही हैं। सुपर 8 चरण को दो समूहों में बांटा गया है, जिनमें से प्रत्येक समूह से केवल शीर्ष दो टीमें ही सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। मौजूदा चैंपियन भारत, दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे ग्रुप 1 में हैं, जबकि ग्रुप 2 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार टी20 विश्व कप में 13 मैचों में भारत की पहली हार थी। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार, हालांकि टूर्नामेंट में भारत का शीर्ष क्रम पूरी तरह से लय में नहीं रहा है, लेकिन सौभाग्य से उनके बल्लेबाजों में से किसी एक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को कड़ी टक्कर दी है। लेकिन रविवार को शिवम दुबे को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज लय नहीं पकड़ पाया। शिवम दुबे की 42 रन की पारी भारत के लिए काफी नहीं थी। भारत ने अपने पिछले तीन मैचों - पाकिस्तान, नीदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ - में से प्रत्येक में पहले ओवर में विकेट गंवाया है। सह-मेजबान टीम के लिए अच्छी बात यह रही कि जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने पावरप्ले के अंदर ही दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष तीन बल्लेबाजों को आउट करके अच्छी शुरुआत दी।

प्रोटियाज से मिली हार के साथ, टूर्नामेंट से पहले प्रबल दावेदार मानी जा रही भारतीय टीम अब मुश्किल स्थिति में है। वे वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हराकर नॉकआउट में पहुंचने की अपनी संभावनाओं पर नियंत्रण हासिल करना चाहेंगे। विंडिज का तीसरा पुरुष टी20 विश्व कप खिताब जीतने का मिशन अभी भी

पटरी पर है, जिम्बाब्वे पर शानदार जीत के साथ वे सेमीफाइनल में पहुंचने के और करीब पहुंच गए हैं। दूसरे और फिर तीसरे मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए शिमरोन हेटमायर ने 34 गेंदों में 85 रनों की तूफानी पारी खेलकर वेस्ट इंडीज को 20 ओवरों में 254/6 का विशाल स्कोर बनाने में मदद की, जो जिम्बाब्वे के लिए नामुमकिन था।

107 रनों की इस जीत से वेस्ट इंडीज की नेट रन-रेट स्थिति बेहतर हो गई है, जो ग्रुप 1 के आगे के मैचों में निर्णायक साबित हो सकती है। अब वे सेमीफाइनल में पहुंचने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। दक्षिण अफ्रीका ने सुपर एट अभियान की शुरुआत सह-मेजबान और मौजूदा चैंपियन भारत पर 76 रनों की शानदार जीत के साथ की। प्रोटियाज ने 20/3 की स्थिति से उबरते हुए 188 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। डेविड मिलर (63) और देवाल्ड ब्रेविस (45) ने 97 रनों की साझेदारी करके टीम को संभाला।

जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने गति में विविधता का शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजी क्रम को 18.5 ओवरों में 11 रन पर ढेर कर दिया। इस जीत से जिम्बाब्वे की खिताब के दावेदारों में जगह मजबूत हुई है और साथ ही उनका नेट रन रेट भी काफी अच्छा हो गया है, जिसे पार करना मुश्किल हो सकता है। जिम्बाब्वे का टूर्नामेंट में शानदार सफर वेस्टइंडीज से मिली करारी हार के बाद झटका खा गया है, जिससे नेट रन रेट में वे भारत से और पीछे हो गए हैं। सुपर आठ चरण से आगे बढ़ने के लिए अब उन्हें भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों को निर्णायक अंतर से हराना होगा। लेकिन अफ्रीकी टीम को सलाम। उन्होंने साबित कर दिया है कि लघु प्रारूप में वे विश्व क्रिकेट के शीर्ष टीमों में शुमार हैं। शुक्रवार को चेन्नई में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में वे जोरदार वापसी करना चाहेंगे।

ग्रुप चरण में कुछ तनावपूर्ण क्षणों से उबरने के बाद, इंग्लैंड सही समय पर अपनी लय में आता दिख रहा है। उन्होंने रविवार को कैंडी में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत के साथ सुपर आठ अभियान की शुरुआत की। श्रीलंका के स्पिनरों ने इंग्लैंड को शुरुआत में ही पस्त कर दिया और उन्हें 146/9 पर रोक दिया। सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने 62 रनों की शानदार पारी खेलकर इंग्लैंड की पारी को संभाला। लेकिन सह-मेजबान श्रीलंका कोई बड़ी साझेदारी नहीं बना सका और 16.4 ओवर में 95 रनों पर ऑल आउट हो गया।

टी20 वर्ल्ड कप : रवि शास्त्री का बेबाक बयान
अक्षर की जगह सुंदर को खिलाने पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सुपर-8 मुकाबले में साउथ अफ्रीका से 76 रन की करारी हार के बाद पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टीम इंडिया की रणनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने खास तौर पर अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खिलाने के फैसले पर अपनी राय रखी।

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में मिली यह हार भारत के लिए 'वेक-अप कॉल' साबित हो सकती है। 'मुझे खुशी है कि यह हार शुरुआत में मिली। इससे टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर दोबारा सोचने का मौका मिलेगा। सुपर-8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो दबाव बहुत बढ़ जाएगा।' भारत को अब चेन्नई में जिम्बाब्वे और कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने बाकी मुकाबले जीतने होंगे।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इसे 'टैक्टिकल कॉल' बताया था। अक्षर पटेल को बाहर रखकर वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया।शास्त्री का मानना है कि टीम मैनेजमेंट दोनों स्पिन ऑलराउंडर को एक साथ खिला सकती है।

'अक्षर को वापस लाना चाहिए। अगर संभव हो तो दोनों को खिलाइए। एक गेंदबाज का दिन खराब हो सकता है, इसलिए बैकअप जरूरी है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर अक्षर खेलते हैं तो बल्लेबाजी में गहराई बढ़ेगी और वह नंबर 8 तक मजबूती दे सकते हैं। शास्त्री के मुताबिक अगर अक्षर और सुंदर दोनों प्लेइंग इलेवन में आते हैं तो किसी स्पेशलिस्ट बल्लेबाज को बाहर बैठना पड़ सकता है। इस स्थिति में रिंकू सिंह की जगह खतरे में पड़ सकती है। 'अगर आठ बल्लेबाज मिलकर भी काम नहीं कर सकते तो समस्या कहीं और है।

आईसीसी रैंकिंग में भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को फायदा

दुबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीमों ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी कड़ी टक्कर वाली सीरीज के बाद लेटेस्ट आईसीसी महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग में काफी बढ़त हासिल की है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने टी20 बॉलर्स में करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की, जो सीरीज में 8 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली बॉलर रहीं। उनकी टीममेट श्री चरणी भी आगे बढ़ीं और 11 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गईं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में एनाबेल सदरलैंड बॉलिंग रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि एश्ले गाडर्नर दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं। बॉलिंग चाटर् में पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की सादिया इक़बाल टॉप पर बनी हुई हैं। गाडर्नर टी20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। बैटिंग रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल 26 पायदान की शानदार छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गईं, जबकि उनकी टीममेट फोएबे लिचफील्ड चार पायदान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंच गईं।

भारतीय बैटर जेमिमा रोड्रिग्स भी एक पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी ओपनर बेथ मूनी ने टी20 बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर अपनी जगह बनाए रखी। इस बीच साउथ अफ्रीका विमेंस क्रिकेट टीम, श्रीलंका विमेंस क्रिकेट टीम, वेस्ट इंडीज विमेंस क्रिकेट टीम और पाकिस्तान विमेंस क्रिकेट टीम के मैचों के बाद लेटेस्ट वनडे रैंकिंग में भी बदलाव देखा गया।

साउथ अफ्रीका की सुने लुस वनडे बैटर्स में चार पायदान चढ़कर 30वें नंबर पर और ऑलराउंडर्स की लिस्ट में पांच पायदान ऊपर चढ़कर 17वें नंबर पर पहुंच गईं। उनकी टीममेट मारिजाने कैप वनडे ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में गाडर्नर के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गईं। स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा वनडे गेंदबाजों में बराबर नौवें स्थान पर पहुंच गयीं,

प्रौद्योगिकी उद्योग का राजस्व चालू वित्त वर्ष में 6.1 प्रतिशत बढ़कर 315 अरब डॉलर रहेगा : नैसकॉम

मुंबई **(एजेंसी)**। भारतीय प्रौद्योगिकी उद्योग का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 6.1 प्रतिशत बढ़कर 315 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। नैसकॉम ने मंगलवार को यह बात कही। उद्योग संगठन ने वित्त वर्ष 2024-25 के राजस्व अनुमान को पूर्व के282.6 अरब डॉलर से बढ़ाकर 297 अरब डॉलर कर दिया है। नैसकॉम ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व वृद्धि मामूली रूप से बढ़कर 6.1 प्रतिशत हो गई है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 5.9 प्रतिशत थी।

नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने कहा कि उद्योग अब भी शुद्ध रूप से रोजगार देने वाला बना हुआ है और कुल कर्मचारियों की संख्या वित्त वर्ष 2025-26 में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 59.5 लाख होने का अनुमान है, जो गत वित्त वर्ष में 58.2 लाख थी। नांबियार ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में प्रौद्योगिकी उद्योग द्वारा शामिल किए गए नए कर्मचारियों की संख्या 1.35 लाख है जो वित्त वर्ष 2024-25 के 1.33 लाख से थोड़ी अधिक है। कृत्रिम मेधा (एआई) पर अधिक ध्यान दिए जाने की पृष्ठभूमि में नैसकॉम ने कहा कि क्षेत्र के कुल राजस्व में से 10-12 अरब डॉलर नई पीढ़ी के प्रौद्योगिकी समाधान से आते हैं।

ताइवान बयान पर भड़का चीन, जापान की 20 कंपनियां बैन, 20 निगरानी सूची में

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिका से शुरू हुए टैरिफ और प्रतिबंधों के माहौल के बीच अब एशिया में एक नया व्यापारिक तनाव उभर आया है। जापान की प्रधानमंत्री के ताइवान को लेकर दिए गए बयान के बाद चीन ने सख्त कदम उठाते हुए 40 जापानी कंपनियों पर कार्रवाई की है। चीन ने 20 कंपनियों को निर्यात नियंत्रण (कंट्रोल) सूची में और 20 अन्य को निगरानी सूची में डाल दिया है। यह कदम दोनों देशों के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव का संकेत माना जा रहा है।

मामला तब गरमाया जब जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की ताइवान को लेकर की गई पुरानी टिप्पणियों पर चीन ने कड़ी आपत्ति जताई। ताइवान एक स्व-शासित द्वीप है, जिस पर चीन अपना दावा करता है। चीन ने आरोप लगाया कि ताइवान मुद्दे पर जापान की टिप्पणी उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, निर्यात नियंत्रण सूची में शामिल 20 कंपनियों को चीनी निर्यातक अब 'डुअल-यूज' (नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों में इस्तेमाल होने वाली) वस्तुएं नहीं बेच सकेंगे।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि ये कदम जापान के 'पुनः सैन्यीकरण' और संभावित परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाए गए हैं और पूरी तरह वैध हैं। हालांकि मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि ये उपाय सीमित दायरे में हैं और सामान्य चीन-जापान व्यापार पर व्यापक असर नहीं पड़ेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि ताइवान को लेकर संवेदनशीलता पहले से ही क्षेत्रीय राजनीति का अहम मुद्दा रही है। ऐसे में यह कदम दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में और तनाव बढ़ा सकता है। चीन ताइवान को अपना अलग हुआ प्रांत मानता है और आवश्यकता पड़ने पर बल प्रयोग की बात भी कह चुका है।

कौन हैं सैंडल विवाद से सुर्खियों में छाई निशा उपाध्याय? लाइव स्टेज शो में गुस्से से हुईं आग बबूला

यूपी-बिहार के लोगों के दिलों पर अपनी आवाज से राज करने वाली मशहूर भोजपुरी सिंगर निशा उपाध्याय अपनी एक वायरल क्लिप को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हालांकि, ये वीडियो उनके किसी गाने का नहीं बल्कि, उनके एक लाइव स्टेज शो का है जिसमें भारी बवाल देखने को मिल रहा है। उनका ये वीडियो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल हो रहा निशा उपाध्याय का ये वीडियो एक लाइव स्टेज शो के दौरान का है, जिसमें वो एंकर पर आग बबूला होते नजर आ रही हैं। यहां तक की उन्होंने सरेआम शो के एंकर को मारने के लिए सैंडल तक उतार ली थी।

दरअसल, यह घटना बिहार के सारण जिले की है, जहां एक लाइव स्टेज शो की परफॉर्मेंस के दौरान एंकर ने सिंगर की फीस को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। निशा के मुताबिक, एंकर ने स्टेज से ही कहा 'आपका रेट क्या है?' और ये सुनते ही वो गुस्से से आग बबूला हो उठीं।

एंकर की इस बात से निशा उपाध्याय इतनी ज्यादा गुस्से में आ गई कि, उन्होंने भरी स्टेज पर ही हाथ में सैंडल उठा ली और एंकर को मारने के लिए दौंड़ी उनका यही वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। निशा उपाध्याय के इस कदम की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। लोगों का कहना है कि, बदतमीजी करने वालों को ऐसा ही सबक सिखाना चाहिए। वहीं काफी लोग ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि आखिर ये धाकड़ सिंगर है कौन?

आपको बता दें कि, निशा उपाध्याय भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की जानी-पहचानी सिंगर हैं, जो मूल रूप से बिहार के सारण जिले के गौर बसंत गांव की रहने वाली हैं, फिलहाल वो पटना में रहती हैं।

अपनी दमदार आवाज और लोक गीतों के खास अंदाज के चलते सिर्फ बिहार ही नहीं बल्कि, पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाली निशा अक्सर लाइव स्टेज शो करती हैं, जिसमें हजारों की संख्या में लोग जुटते हैं।

गंभीर की पॉलिटिक्स ने टीम इंडिया की इमेज को नुकसान पहुंचाया, पूर्व पाक बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम पर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज अहमद शहजाद ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर तीखी टिप्पणी की है। शहजाद का दावा है कि गंभीर की राजनीतिक पृष्ठभूमि का असर टीम के माहौल पर पड़ा है। साथ ही उन्होंने चयन फैसलों और संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली बड़ी हार ने भारतीय खेमे में चिंता बढ़ा दी है।

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

कोचिंग डिपो इंदौर : ई–निविदा सूचना

संख्या : E-IND-WLI-2026-A, **दिनांक** : 21.02.2026.

भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए वरि. कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर पश्चिम रेलवे, रतलाम द्वारा निम्नलिखित कार्य/कार्यों के लिए खुली ई–निविदा निविदा संख्या : E-IND-WLI-2026-A के विरूद्ध अंतिम तिथि 19/03/2026 15:00 बजे तक) (एकल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है। बिडर केवल अंतिम तिथि एवं समय तक ही अपनी बिड जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरूद्ध मैन्युअल ऑफर की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफ़र को अनदेखा कर दिया जाएगा।

यदि किसी कारण-वश निविदा खुलने की नियत दिनांक को अवकाश घोषित किया जाता है तो संबंधित निविदायें अवकाश के अगले कार्य दिवस में नियत समय पर खोली जायेगी।

कार्य का नाम एवं स्थान : कार्य का नाम – अंडरस्लंग और ओवरहेड वॉटर टैंक वाले कोचों के लिए जल स्तर संकेतक की व्यवस्था। **स्थान** : कोचिंग डिपो–इंदौर, **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹ 2,29,60,000/- (सभी कर, ड्यूटीज, एवं जी.एस.टी. सहित), **बयाना राशि** : ₹ 2,64,800/-, **समापन अवधि** : एल.ओ.ए. जारी होने की तारीख से 12 माह, **कार्यालय का पता जहां निविदा खुलेगी** : कार्यालय – वरि.कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर, **निविदा फार्म जमा करने का अंतिम तिथि एवं समय** : 15:00 बजे दिनांक 19/03/2026 तक जमा करने का समय, **वेबसाईट व नोटिस बोर्ड जहां निविदा संबंधी सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है** : निविदाऐं IREPS वेबसाईट पर देखी जा सकती है साथ ही इस संबंध में कोई भी जानकारी वरि. कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर, कार्यालय (प.रे.) से सभी कार्यालयीन दिवस पर प्राप्त की जा सकती है।

ADM/3/1/478

Follow us on: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

50 mm आकार के मशीन से क्रश किए गए 423395 Cu.m. पत्थर बैलेस्ट की आपूर्ति

ई-निविदा सूचना संख्या: DRM-BRC 185 OF 2025-26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबंधक (का/ले), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा – 390 004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या एवं कार्य का नाम: DRM BRC 185 of 2025-26** — पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के अंतर्गत गोधरा के निकट टिंबा रोड स्टेशन पर 50 mm आकार के मशीन से क्रश किए गए 423395 Cu.m. पत्थर बैलेस्ट की आपूर्ति, जिसे सीधे वैगनों में लोड किया जाएगा। **कार्य की अनुमानित लागत (रु.)** ₹ 30,51,63,470.47 **जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रु.)** ₹ 16,75,800.00 **निविदा जमा करने एवं खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा 13.03.2026 को 15:00 बजे से पूर्व जमा की जानी है तथा उसी दिन 15:30 बजे खोली जाएगी। **वेबसाइट की जानकारी और उस जगह का नोटिस जहाँ पूरी जानकारी देखी जा सकती है, ऑफिस का पता जहाँ से टेंडर फॉर्म खरीदा जा सकता है:** वेबसाइट @ www.ireps.gov.in डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA/C) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर,वडोदरा

BRC 370

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस ⇌ पालिताना के बीच सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी का संचालन

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन एवं गंतव्य	सेवा की तिथि	प्रस्थान	आगमन
09013	बांद्रा टर्मिनस - पालिताना	28.02.2026	11:00 hrs (शनिवार)	00:50 hrs (अगले दिन)
09014	पालिताना - बांद्रा टर्मिनस	01.03.2026	15:00 hrs (रविवार)	05:00 hrs (अगले दिन)

ठहराव : बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोंगढ तथा सिहोर (गुजरात) स्टेशन – दोनों दिशाओं में।

कोच संरचना : वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे।

समय, ठहराव एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ।

रेल संख्या 09013 एवं 09014 के लिए आरक्षण 25.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों पर तथा IRCTC वेबसाइट पर खुलेगा। उपरोक्त रेलगाड़ी विशेष किराये पर विशेष रेलगाड़ी के रूप में चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in

Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लेकर चलें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
– सार्वजनिक सूचना –

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम, 1975 की धारा 8 (3) (क) के अंतर्गत (24 जून 2021 तक संशोधित प्रावधानों के अनुसार) आर/सेंट्रल प्रभाग से प्राप्त कुल 01 प्रस्ताव, अर्थात क्षेत्र क्रमांक सात में वृक्षों को हटाने संबंधी 01 प्रस्ताव को उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (6) के अंतर्गत बृहन्मुंबई महानगरपालिका के महानगर आयुक्त तथा वृक्ष प्राधिकरण के अध्यक्ष द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत वृक्षों की कटाई अथवा स्थानांतरण से संबंधित विस्तृत जानकारी बृहन्मुंबई महानगरपालिका की आधिकारिक जालस्थली पर उपलब्ध है।

जानकारी देखने के लिए निम्न क्रम अपनाया जा सकता है – हमारे बारे में -> प्रभाग / विभाग -> विभागीय पुस्तिकाएँ ->उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण। डब्ल्यू एस 328 – आर/सेंट्रल प्रभाग।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वृक्ष प्राधिकरण के उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
पेंगुइन भवन, द्वितीय तल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान
डॉ. आंबेडकर मार्ग, भायखळा (पूर्व)
मुंबई - 400 027
दूरभाष क्रमांक : 23742162
ई-मेल : sg.gardens@mcgm.gov.in

पीआरओ/3084/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

पश्चिम रेलवे
अहमदाबाद मंडल

रोड अंडर ब्रिज प्रदान करके लेवल क्रॉसिंग नाबूद करना

ई-निविदा सूचना संख्या: 25 वर्ष 2025-26 दिनांक : 24.02.2026 **ई-निविदा संख्या : DRM-ADI-200-2025-26 कार्य का नाम:** पालनपुर-सामाखियाली सेक्शन: - कवर्ड एप्रोच वाले रोड अंडर ब्रिज प्रदान करके लेवल क्रॉसिंग्स (LC नंबर 59, 60 और 80) को नाबूद करना। **अनुमानित लागत :** ₹ 322357107.77 **EMD राशि:** ₹ 1761800.00 **ई-निविदा बंद होने की तिथि:** दिनांक 17.03.2026 समय 15:00 बजे **कार्यालय का पता:** वरि. मंडल इंजीनियर (सम.) अहमदाबाद,डी.आर.एम. ऑफिस, चामुंडा ब्रिज के पास, नई स्वदेशी मिल के सामने, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद- 382 345. **ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाइट: www.ireps.gov.in**

ADI 285

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय में 'अति सर्वत्र वर्जयेत' विषय पर विशेष व्याख्यान संपन्न

प्रयागराज। प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ एवं आरोग्य भारती (काशी प्रांत) के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में 'अति सर्वत्र वर्जयेत' विषय पर एक भव्य एवं गरिमामय विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा समाज के विभिन्न वर्गों में संतुलित जीवनशैली, संयम, अनुशासन एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि 'अति सर्वत्र वर्जयेत' भारतीय दर्शन की अत्यंत प्रासंगिक उक्ति है, जो आज के समय में और भी अधिक महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र – खानपान, अध्ययन, तकनीक का उपयोग या व्यवहार – में संतुलन और संयम अनिवार्य है। किसी भी विषय में अति व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। उन्होंने विद्यार्थियों से संतुलित दिनचर्या अपनाकर स्वस्थ एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जी. एस. तोमर ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि 'अति सर्वत्र वर्जयेत' भारतीय जीवन-दर्शन का मार्गदर्शक सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि भोजन, व्यवहार, परिश्रम, विश्राम या तकनीक – किसी भी क्षेत्र में अति हानिकारक सिद्ध होती है। वर्तमान भागदौड़ भरी जीवनशैली, असंतुलित आहार, अनियमित नींद और मानसिक तनाव अनेक रोगों को जन्म दे रहे हैं। उन्होंने आयुर्वेदिक परंपरा का उल्लेख करते हुए संतुलित आहार-विहार और नियमित दिनचर्या अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य वक्ता डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, आरोग्य भारती ने कहा कि स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन का मूल आधार संतुलन, संयम एवं अनुशासन है। उन्होंने असंतुलित खानपान, अत्यधिक तले-भुने खाद्य पदार्थों का सेवन, मोबाइल एवं डिजिटल उपकरणों का अत्यधिक उपयोग, अनियमित दिनचर्या और मानसिक तनाव को अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बताया। उन्होंने योग, प्राणायाम, ध्यान और नियमित व्यायाम को जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि योग मानसिक शांति और आत्मबल को सुदृढ़ करता है तथा प्रकृति के अनुरूप जीवन जीना स्वस्थ समाज के निर्माण की आधारशिला है।

कुलानुशासक डॉ. राज कुमार गुप्त ने आयुर्वेदिक परंपरा के संदर्भ में स्वस्थ जीवनशैली की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि समग्र जीवन-दर्शन है। उन्होंने भारतीय जीवन के चार पुरुषार्थ – धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष – के संदर्भ में संतुलन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि जीवन के किसी भी क्षेत्र में अति व्यक्ति को असंतुलन और अशांति की ओर ले जाती है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रशांत सिंह, सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास विभाग ने किया। अंत में डॉ. प्रदीप त्रिपाठी, सहायक आचार्य, व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, आयोजकों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकगण, कर्मचारी, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ईएसआईसी के 75वें स्थापना दिवस पर सामाजिक सुरक्षा की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 75वें स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर ईएसआईसी ने भारत की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने के अपने संकल्प को एक बार फिर दोहराया। इस अवसर पर ईएसआईसी से जुड़े सभी हितधारकों, कर्मचारियों और नियोक्ताओं को शुभकामनाएं दी गईं।

1952 में स्थापित ईएसआईसी ने बीते सात दशकों में श्रमिकों और उनके परिवारों को चिकित्सा सुविधाएं एवं नकद लाभ प्रदान कर सामाजिक सुरक्षा की मजबूत नींव रखी है। एक दूरदर्शी सोच के साथ शुरू हुई यह संस्था आज देश की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा संगठनों में से एक बन चुकी है, जो सामाजिक संरक्षण, औद्योगिक सौहार्द और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ईएसआईसी ने अपने इस मिशन को और अधिक सुदृढ़ बनाने में नियोक्ताओं के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की है।

अंडमान में बड़ा हादसा! समुद्र में गिरा हेलीकॉप्टर मौत के मुंह से सुरक्षित निकले सभी 7 लोग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के मायाबंदर इलाके में मंगलवार सुबह एक बड़ा हवाई हादसा टल गया। उत्तरी और मध्य अंडमान जिले में उड़ान भर रहा एक हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण अनियंत्रित होकर सीधे समुद्र में जा गिरा। गनीमत रही कि समय रहते रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और चालक दल समेत सभी सात लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई। एक अधिकारी के अनुसार, समुद्र के बीच से बचाए गए सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक वरिष्ठ नागर विमानन अधिकारी ने बताया, 'हेलीकॉप्टर ने श्री विजयपुरम से सुबह आठ बजकर 45 मिनट पर उड़ान भरी थी और साढ़े नौ बजे समुद्र में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी का संकेत मिला है, जिसके बाद पायलट को हेलीकॉप्टर को समुद्र में उतारा पड़ा।' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रशासन ने इस गंभीर हादसे की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। नागर विमानन अधिकारी ने बताया, 'प्रारंभिक जांच तकनीकी खराबी की ओर इशारा कर रही है। विस्तृत जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि उड़ान भरने से पहले मेंटेनेंस में कोई कमी तो नहीं थी।'

मुझे बेटे पर गर्व है, आईवाईसी प्रमुख की गिरफ्तारी के बाद मां का यूथ से आह्वान- देश के लिए सोचो

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एआई इंडिया इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के प्रेसिडेंट उदय भानु चिब की गिरफ्तारी के बाद, उनकी मां रजनी बाला ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। एएनआई से बात करते हुए, बाला ने कहा कि समिट के दौरान भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन संवैधानिक सीमाओं के भीतर किया गया था, उन्होंने अपने बेटे की बातों पर ध्यान दिया कि कभी-कभी स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के रास्ते पर चलना ज़रूरी होता है। उन्होंने आगे देश के युवाओं से स्वतंत्रता सेनानी के आदर्शों पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा, मेरे बेटे ने कहा कि

हम गांधी के रास्ते पर चलते हैं और ज़रूरत पड़ने पर भगत सिंह भी बन सकते हैं, और मुझे उस पर गर्व है। आज हमें भगत सिंह की ज़रूरत है, और मैं सभी युवाओं से गुज़ारिश करती हूँ कि वे भगत सिंह बनें और अपने देश के बारे में सोचें।

उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों ने विरोध किया, उन्होंने कोई गुनाह नहीं किया है। संविधान ने हमें विरोध करने का हक़ दिया है। उन्होंने देश के लोगों के लिए, देश के किसानों के लिए, देश के युवाओं के लिए, और उन लोगों के लिए विरोध किया जो बेरोज़गार हैं और जिनके पास करने के लिए कोई काम नहीं है।

उन्होंने आगे यूपीए सरकार के दौरान बीजेपी के पिछले विरोध प्रदर्शनों से तुलना की और सवाल किया कि क्या गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा समिट के दौरान एक चीनी रोबोट को अपना बताकर पेश करने जैसी घटनाएँ शर्मनाक नहीं थीं। उन्होंने कहा कि जब कॉमनवेल्थ गेम्स हुए थे, तो दुनिया भर से बहुत सारे डेलीगेट्स और एथलीट आए थे; बीजेपी ने कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान प्रोटेस्ट किया था...जब गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने समिट के पहले दिन चीन के रोबोट को अपना बताकर पेश किया, और कहा कि यह उनका इनोवेशन है, तब हमें दुनिया के सामने शर्मिंदा नहीं होना पड़ा।

ईरान के न्यूक्लियर प्लांट वाले प्रांत इस्फ़हान में एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर क्रैश, 4 की मौत

तेहरान **(एजेंसी)**। सेंट्रल ईरान में एक फल और सब्ज़ी मार्केट में ईरानी एयर फ़ोर्स का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। यह क्रैश इस्फ़हान प्रांत में हुआ, जहाँ देश का मुख्य न्यूक्लियर प्लांट है। यह घटना इस्फ़हान प्रांत में तेहरान से लगभग 330 किलोमीटर दक्षिण में दोरचेह शहर में हुई। ईरानी सरकारी टेलीविज़न ने बताया कि हेलीकॉप्टर एक ट्रेनिंग फ़्लाइट के दौरान नीचे गिरा। इस्फ़हान प्रांत में एक बड़ा एयर बेस और एक न्यूक्लियर फ़ैसिलिटी है, जिस पर जून में ईरान-इज़राइल युद्ध के दौरान अमेरिका ने हमला किया था। स्टेट टीवी ने कहा कि क्रैश में पायलट और को-पायलट दोनों मारे गए, और फुटेज दिखाया जिसमें मार्केट एरिया में मलबा बिखरा हुआ था और साइट से धुआं उठ रहा था। सेमी-ऑफिशियल फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी ने बताया कि एयरक्राफ्ट के मार्केट से टकराने के बाद ज़मीन पर मौजूद 2 लोगों की भी मौत हो गई।

यह क्रैश एक हफ़्ते से भी कम समय में दूसरी ऐसी घटना है। हाल ही में, पश्चिमी शहर हमेदान के पास एक एफ-4 फाइटर जेट गिर गया था, जिसमें उसके 1 पायलट की मौत हो गई थी। ईरान में पिछले कुछ सालों में कई जानलेवा एविएशन एक्सीडेंट हुए हैं। पश्चिमी देशों के बैन ने एयरक्राफ्ट के पार्ट्स तक पहुंच को रोक दिया है, जिससे देश मिलिट्री और सिविलियन दोनों तरह के इस्तेमाल के लिए हेलीकॉप्टर और फिक्स्ड-विंग एयरक्राफ्ट के पुराने बेड़े पर निर्भर हो गया है।

इस्फ़हान न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी सेंटर ईरान के मुख्य न्यूक्लियर रिसर्च और फ़्यूल प्रोडक्शन कॉम्प्लेक्स में से एक है। इसमें एक यूरेनियम कन्वर्ज़न फ़ैसिलिटी, फ़्यूल फ़ैब्रिकेशन प्लांट और कई रिसर्च रिएक्टर शामलि हैं। 2025 में हवाई हमलों के बाद, साइट पर किलेबंदी का काम हुआ, जिसमें टनल के दरवाज़ों को मज़बूत किया गया और कुछ मामलों में उन्हें दबा दिया गया, जिससे वहाँ तक पहुँचना काफ़ी मुश्किल हो गया।

19 मई, 2024 को, ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को ले जा रहा एक हेलीकॉप्टर ईरान के पहाड़ी पूर्वी अज़रबैजान प्रांत में अज़रबैजान के साथ बॉर्डर के पास एक दौरे से लौटते समय क्रैश हो गया। यह एयरक्राफ़्ट तीन हेलीकॉप्टरों के एक छोटे काफ़िले का हिस्सा था। रईसी को ले जा रहा हेलीकॉप्टर घने कोहरे और खराब मौसम की वजह से विज़ुअल कॉन्टैक्ट खोने के बाद ज़मीन से टकरा गया और उज़ी गाँव के पास क्रैश हो गया। इसमें सवार सभी आठ लोग मारे गए, जिनमें रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन, पूर्वी अज़रबैजान के गवर्नर मालेक रहमती, और दूसरे अधिकारी और क्रू शामिल थे।

यूपी की इकोनॉमिक को मिलेगी नई उड़ान, सिंगापुर दौरे पर मुख्यमंत्री योगी ने किए कई बड़े एमओयू साइन

सिंगापुर सिटी **(एजेंसी)**। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सिंगापुर के मैनपावर मिनिस्टर और एनर्जी और साइंस एंड टेक्नोलॉजी के इंचार्ज मिनिस्टर टैन सी लेंग और सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, कोंग वाई मुन के साथ बातचीत की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने इन्वेस्ट यूपी और सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज के बीच एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप बनाने के लिए एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर साइन होते देखा गया। उत्तर प्रदेश के सीएम ने एक्स पर पोस्ट किया, सिंगापुर के मैनपावर मिनिस्टर और एनर्जी और साइंस एंड टेक्नोलॉजी के इंचार्ज मिनिस्टर डॉ. टैन सी लेंग और सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मिस्टर कोंग वाई मुन के साथ एक अहम बातचीत हुई। इन्वेस्टअप और सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज के बीच एक एमओयू पर साइन हुए। यह एमओयू उत्तर प्रदेश में सस्टेनेबल इकोनॉमिक ग्रोथ, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को सपोर्ट करने के लिए इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी बिल्डिंग, पॉलिसी फ्रेमवर्क डेवलपमेंट और स्ट्रक्चर्ड नॉलेज एक्सचेंज पर फोकस करने वाली एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप बनाने के लिए है।

मुख्यमंत्री ने एसएटीएस के प्रेसिडेंट और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर केरी मोक के साथ भी मीटिंग की। उनकी मौजूदगी में, एसएटीएस लिमिटेड ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर में एक वर्ल्ड-क्लास कार्गो कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए एक एमओयू साइन किया, साथ ही एक ताज एसएटीएस एयर केटरिंग किचन भी बनाया जाएगा जो जेवर के साथ-साथ उत्तर भारत के दूसरे एयरपोर्ट्स को भी सर्विस देगा।

सीएम ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज सिंगापुर में एसएटीएस के प्रेसिडेंट और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, मिस्टर केरी मोक के साथ एक दिलचस्प बातचीत हुई। उनकी मौजूदगी में, एसएटीएस लिमिटेड ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर में एक वर्ल्ड-क्लास कार्गो कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए एक एमओयू साइन किया, साथ ही एक ताज एसएटीएस एयर केटरिंग किचन भी बनाया जाएगा जो जेवर के साथ-साथ उत्तर भारत के दूसरे एयरपोर्ट्स को भी सर्विस देगा। यह पार्टनरशिप ट्रेड को बढ़ावा देगी, सप्लाई चेन को मजबूत करेगी और रोजगार के बड़े मौके पैदा करेगी, जिससे उत्तर प्रदेश की एक लीडिंग एविएशन और लॉजिस्टिक्स हब के तौर पर स्थिति और मजबूत होगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 से 24 फरवरी तक सिंगापुर के ऑफिशियल दौरे पर हैं, ताकि उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के बीच इकोनॉमिक कोऑपरेशन, इंस्टीट्यूशनल पार्टनरशिप और सेक्टर-स्पेसिफिक कोलेबोरेशन को गहरा किया जा सके।

कैरिबियन सागर में यूएस मिलिट्री का 'ऑपरेशन' 3 ड्रग तस्कर ढेर, मौत का आंकड़ा 151 पार

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। यूएस मिलिट्री ने कहा कि उसने सोमवार को कैरिबियन सागर में एक कथित ड्रग-स्मगलिंग जहाज़ पर हमला करके तीन लोगों को मार डाला। यह ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के कथित तस्करों के खिलाफ महीनों से चल रहे कैंपेन का हिस्सा है। हमले के साथ, सितंबर की शुरुआत में ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा छोटे जहाजों में 'नार्कोटेररिस्ट' कहे जाने वाले लोगों को टारगेट करना शुरू करने के बाद से मरने वालों की संख्या कम से कम 151 हो गई है। 40 से ज़्यादा जाने-पहचाने हमलों पर मिलिट्री के ज़्यादातर बयानों की तरह, अमेरिकी सदर्न कमांड ने कहा कि उसने जाने-पहचाने स्मगलिंग रूट पर कथित ड्रग तस्करों को टारगेट किया। मिलिट्री ने इस बात का सबूत नहीं दिया कि जहाज़ ड्रग्स ले जा रहा था, लेकिन एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें आउटबोर्ड इंजन वाली एक छोटी नाव को नष्ट होते हुए दिखाया गया। था। सदर्न कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इंटेलिजेंस से कन्फर्म हुआ है कि जहाज कैरिबियन में नार्को-ट्रैफिकिंग के जाने-माने रास्तों से जा रहा था और नार्को-ट्रैफिकिंग ऑपरेशन में लगा हुआ था।' 'इस एक्शन के दौरान तीन पुरुष नार्को-टेररिस्ट मारे गए। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूएस लैटिन अमेरिका में कार्टेल के साथ 'हथियारबंद लड़ाई' में है और उन्होंने इन हमलों को यूनाइटेड स्टेट्स में ड्रग्स के फ्लो को रोकने के लिए ज़रूरी बढ़ोतरी बताया है। लेकिन उनके एडमिनिस्ट्रेशन ने 'नार्कोटेररिस्ट' को मारने के अपने दावों को सपोर्ट करने के लिए बहुत कम सबूत दिए हैं। आलोचकों ने इन हमलों की पूरी कानूनी मान्यता और उनके असर पर सवाल उठाए हैं, कुछ हद तक इसलिए क्योंकि कई जानलेवा ओवरडोज़ के पीछे इस्तेमाल होने वाला फेंटानिल आमतौर पर मेक्सिको से ज़मीन के रास्ते यूएस में तस्करी करके लाया जाता है, जहाँ इसे चीन और भारत से आयात किए गए केमिकल से बनाया जाता है।

मार्क कार्नी के दौरे से पहले कनाडा का बड़ा फैसला 26/11 आतंकी तहव्वुर राणा की नागरिकता होगी रद्द

ओटावा **(एजेंसी)**। मार्क कार्नी के नई दिल्ली दौरे से पहले एक अहम डिप्लोमैटिक कदम उठाते हुए, कनाडा 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दोषी मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की नागरिकता रद्द करने की तैयारी कर रहा है। राणा, जो अभी भारत में अपनी सज़ा काट रहा है, को कनाडा सरकार के फैसले के बारे में ऑफिशियली बता दिया गया है। 64 साल का राणा पाकिस्तान में जन्मा कनाडाई नागरिक है और 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साज़िश करने वालों में से एक, डेविड कोलमैन हेडली, उर्फ दाऊद गिलानी, जो एक अमेरिकी नागरिक है, का करीबी साथी है।

ग्लोबल न्यूज़ की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के इमिग्रेशन अधिकारियों ने राणा पर गलत जानकारी देकर नागरिकता लेने का आरोप लगाया है। अधिकारियों का दावा है कि जब राणा ने 2001 में कनाडा की नागरिकता के लिए अप्लाई किया था, तो उसने अपने रहने की जगह और ट्रैवल हिस्ट्री के बारे में गलत जानकारी दी थी। कहा जाता है कि राणा ने पिछले चार सालों से ओटावा और टोरंटो में रहने का दावा किया था - इमिग्रेशन अधिकारियों का कहना है कि यह दावा झूठा था। उसने यह भी कहा कि वह कनाडा से बाहर सिर्फ़ छह दिन रहा था, जबकि सबूत बताते हैं कि वह शिकागो में रह रहा था, जहाँ उसने प्रॉपर्टी भी बनाई थी।

इमरान खान की आंखों की रोशनी जाने का खतरा अदियाला जेल से पीआईएमएस हॉस्पिटल ले जाया गया

पेशावर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मंगलवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल से उनकी बिगड़ती नज़र के इलाज के लिए बहुत ज़्यादा सुरक्षा के बीच इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) ले जाया गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ (पीटीआई) के जेल में बंद चीफ़ को सिग्नल जैमर और भारी सिक्योरिटी एस्कॉर्ट के साथ काली कारों के 15 गाड़ियों के काफ़िले में ले जाया गया। पीआईएमएस में डॉक्टरों ने दूसरा इंट्राविट्रियल एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन लगाया - एक विशेष थेरेपी जिसका उपयोग रेटिना की बीमारी का इलाज करने और दृष्टि को संरक्षित करने के लिए किया जाता है। हॉस्पिटल के एक ऑफिशियल बयान के मुताबिक, कार्डियोलॉजी और इंटरनल-मेडिसिन स्पेशलिस्ट वाले एक मेडिकल बोर्ड ने पहले खान की जांच की और उन्हें क्लिनिकली स्टेबल बताया, उनके कार्डियक टेस्ट नॉर्मल थे। इसके बाद, पीआईएमएस और अल-शिफा आई हॉस्पिटल के रेटिनल सर्जनों ने डे-केयर सर्जरी के तौर पर आंखों का प्रोसीजर किया।

अस्पताल ने कहा कि वह पूरे समय स्थिर रहे और प्रोसीजर के बाद उन्हें आगे की हिदायतों के साथ अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। खान की बिगड़ती सेहत पाकिस्तान के पहले से ही अस्थिर राजनीतिक माहौल में एक बड़ा मुद्दा बन गई है। इस महीने की शुरुआत में, उनके बेटे कासिम खान ने आरोप लगाया कि लंबे समय तक अकेले रहने और मेडिकल लापरवाही की वजह से 1992 वर्ल्ड कप जीतने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान की दाहिनी आंख लगभग अंधी हो गई थी। उन्होंने कहा कि उनके पिता की ज़्यादातर नज़र चली गई थी, और रिपोर्ट्स बताती हैं कि उनकी नज़र सिर्फ़ 15 परसेंट बची है। पीटीआई नेताओं और परिवार के सदस्यों ने अधिकारियों पर बुरे बर्ताव का आरोप लगाया है, जबकि सरकार का कहना है कि खान को हिरासत में सही मेडिकल देखभाल मिल रही है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)